RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजर आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर

श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज

श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं.पू.1008 श्री रामानन्द जी

तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-9 अंक: 284 ता. 23 अप्रेल 2021, शुक्रवार, कार्यालय :114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

CJI एसए बोबडे के कार्यकाल में फिजिकल कोर्ट सिर्फ 90 दिन चली, आज हो जाएंगे रिटायर

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस एसए बोबडे शुक्रवार को रिटायर हो जाएंगे। वह देश के ऐसे पहले मुख्य न्यायाधीश होंगे, जिनके कार्यकाल का अधिकतर हिस्सा कोविड लॉकडाउन और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से सुनवाई करने में चला गया। वह अपने 14 माह के कार्यकाल में 90 दिन ही फिजिकल सुनवाई कर पाए। 23 अप्रैल शुक्रवार को जब वह रिटायर होंगे तो भी कोर्ट सिर्फ अर्जेंट मामले ही सुन रहा होगा। नागपुर के जस्टिस बोबडे का स्थान जस्टिस एनवी रमण लेंगे। लेकिन, वह भी ऐसे समय में कार्यभार ग्रहण करेंगे, जब कोर्ट लगभग बंद है। सिर्फ अर्जेंट मामलों की ही सुनवाई की जा रही है। कोविड 19 प्रतिबंधों के कारण कोर्ट का काम सीमित हो गया है। जस्टिस बोबडे ने 14 नवंबर 2019 को देश के मुख्य न्यायाधीश का कार्यभार ग्रहण किया था। इसके बाद दिसंबर में क्रिसमस और नए साल का अवकाश हो गया। जनवरी 2020 में कोविड 19 की आहट होने लगी। इसके बाद 24 मार्च आते-आते स्थिति खराब हुई और देशभर में लॉकडाउन लग गया। कोर्ट को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये सुनवाई शुरू करनी पड़ी।

कोई जज शीर्ष अदालत नहीं ला सके-जजों की नियुक्ति के मामले में जस्टिस बोबडे अपने कार्यकाल में एक भी जज सुप्रीम कोर्ट नहीं ला सके। उन्होंने त्रिपुरा हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश अकिल कुरैशी को सुप्रीम कोर्ट लाने के प्रयास किए, लेकिन कॉलेजियम में मतभेद के कारण बात नहीं बनी। इसके अलावा वह आंध्र हाईकोर्ट की महिला जज जस्टिस नागरत्ना को भी सुप्रीम कोर्ट लाना चाहते थे, लेकिन इसमें भी वह सफल नहीं हो सके। यदि नागरत्ना सुप्रीम कोर्ट आ जातीं तो वह देश की पहली महिला मुख्य न्यायाधीश के पद तक पहुंच सकती थीं। सुप्रीम कोर्ट में इस समय पांच जजों की रिक्तियां हैं। यह स्थिति 2015 में आई थी, जब मुख्य न्यायाधीश एचएल दत्तू थे और सुप्रीम कोर्ट में कोई जज प्रोन्नत नहीं हो सका,

हाईकोर्ट में सरकार ने बताया

बिहार में अगले 10 दिनों में कोरोना के दो लाख नए केस आ सकते हैं सामने

पटना। बिहार में कोरोना संक्रमण की स्थिति भयावह होने वाली है। पटना हाईकोर्ट में कोरोना मामले पर हो रही सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने बताया कि वर्तमान में कोविड-19 संक्रमण केसों की संख्या में 15 से 16 फीसदी की दर से वृद्धि हो रही है। इस समय राज्य में करीब 56 हजार कोरोना के एक्टिव मामले हैं। इस तरह आगामी 30 अप्रैल तक यह संख्या करीब 20 हजार प्रतिदिन तक जाने की आशंका है। यानी अगले 10 दिनों में दो लाख नए मामले आने का अंदेशा है। तब सक्रिय केसों की संख्या डेढ़ लाख तक हो जाएगी। बुधवार शाम साढ़े चार बजे से हुई सुनवाई के दौरान सरकार ने इससे निपटने के लिए एक्शन प्लान भी बताया। वहीं, मामले पर अगली सुनवाई शुक्रवार को होगी। सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता रंजीत कुमार ने सरकार की तरफ से बताया कि नए केस के कुल मामलों में 20 फीसदी लोगों को अस्पताल में इलाज की जरूरत होगी। 10 फीसदी लोगों को ऑक्सीजन बेड की आवश्यकता होगी। इस तरह 30 हजार सामान्य तथा 15 हजार ऑक्सीजन बेड की आवश्यकता राज्य को है।

इसके लिए पटना के एनएमसीएच, गया के एएनएमसीएच तथा भागलपुर के जेएलएमएनसीएच को डेडिकेटेड कोविड अस्पताल घोषित किया जा चुका है। इन अस्पतालों में 1600 ऑक्सीजन बेड बढ़ाए जाएंगे। बिहटा ईएसआईसी अस्पताल में 60 ऑक्सीजन बेड को बढ़ाकर 500 किया जाएगा। राजेंद्रनगर स्थित आई अस्पताल को डीसीएचसी में विकसित कर 100 ऑक्सीजन बेड की व्यवस्था की जा रही है। आईजीआईएमएस में 47 ऑक्सीजन बेड को बढ़ाकर 100 किया जा रहा है। वहीं पटना एम्स में 220 ऑक्सीजन बेड हैं, जिसे बढ़ाने का अनुरोध केंद्र सरकार से किया गया है। कंकड़बाग स्थित मेदांता हॉस्पिटल को 200 बेड का डीएचसी बनाने का काम किया जा रहा है। होम आइसोलेशन वाले को निरंतर मेडिकल किट दी जा रही है।

ऑक्सीजन का कोटा 300 एमटी करने की मांग-राज्य के सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में 16 हजार 194 बी टाइप तथा सात हजार 94 डी टाइप सिलेंडर कोविड मरीजों के लिए उपलब्ध हैं। कोविड मरीजों के इलाज के लिए 3650 ऑक्सीजन कंस्ट्रेटर उपलब्ध हैं। राज्य में 14 निजी ऑक्सीजन निर्माता हैं। नौ सरकारी मेडिकल कॉलेजों में 250 एलपीएम क्षमता के ऑक्सीजन जेनरेशन प्लांट लगाए जा रहे हैं, जबकि एनएमसीएच, पीएमसीएच तथा डीएमसीएच में ऑक्सीजन जेनरेशन प्लांट चालू कर दिए गए हैं। राज्य के 37 अनुमंडल अस्पतालों में 2723 बेड पर मेडिकल गैस पाइपलाइन से ऑक्सीजन देने की व्यवस्था की जा रही है। राज्य के नौ मेडिकल कॉलेजों में 18806 बी टाइप तथा 10338 डी टाइप सिलेंडर की आपूर्ति करने का अनुरोध केंद्र सरकार से किया जा चुका है।

बिहार में भी शुरू होगी संपत्ति स्वामित्व योजना, पीएम मोदी 24 को करेंगे लांच

फिर लोगों को उनकी संपत्ति (भूमि व मकान) का एक प्रॉपर्टी कार्ड दिया जाएगा, जिसमें उनके भूमि संबंधित पूरी जानकारी रहेगी। इस प्रॉपर्टी कार्ड की मदद से बैंकों में लोन की सुविधा भी उन्हें उपलब्ध हो सकेगी। उनके पास अपनी संपत्ति का एक रिकॉर्ड उपलब्ध रहेगा।

पटना। बिहार में भी संपत्ति स्वामित्व योजना शुरू होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस समारोह के मौके पर 24 अप्रैल को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इसे लॉन्च करेंगे। इस योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में भूमि का सर्वे होगा। मैपिंग की जाएगा। फिर लोगों को उनकी संपत्ति (भूमि व मकान) का एक प्रॉपर्टी कार्ड दिया जाएगा, जिसमें उनके भूमि संबंधित पूरी जानकारी रहेगी। इस प्रॉपर्टी कार्ड की मदद से बैंकों में लोन की सुविधा भी उन्हें उपलब्ध हो सकेगी। उनके पास अपनी संपत्ति का एक रिकॉर्ड उपलब्ध रहेगा। इस बाबत भारत सरकार से बिहार के मुख्य सचिव को एक पत्र भी लिखा गया है। इसमें 24 अप्रैल को होने वाले कार्यक्रम में मुख्यमंत्री, पंचायती राज मंत्री, भूमि एवं राजस्व मंत्री तथा संबंधित आलाधिकारी को ऑनलाइन रूप से इस कार्यक्रम से जुड़ने का आग्रह किया गया है। मालूम हो कि आंध्रप्रदेश, कर्नाटक, हरियाणा, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश और उत्तराखंड में यह योजना पिछले साल से चल रही है और लाखों लोगों को प्रॉपर्टी कार्ड उपलब्ध कराए गए हैं। स्वामित्व योजना के तहत गांवों की भूमि की पैमाइश ड्रोन के जरिए होगी। ड्रोन से गांवों की सीमा के भीतर आने वाली हर प्रॉपर्टी का एक डिजिटल नक्शा तैयार होगा। पंचायती राज मंत्री सम्राट चौधरी ने बताया कि 24 अप्रैल को प्रधानमंत्री विभिन्न राज्यों की कई ग्राम पंचायतों को उत्कृष्ट कार्य के लिए पुरस्कृत भी करेंगे। इनमें बिहार की भी कई पंचायतें शामिल हैं।

कोरोना काल में नई गाड़ियों की बिक्री में 36 प्रतिशत गिरावट, 39 लाख पुराने वाहन बिके

नई दिल्ली। देश में कोरोना महामारी को देखते हुए लोगों को अपनी कार खरीदने की जरूरत पूरा करने के लिए पुरानी कारों के बाजार की तरफ अब ज्यादा रुख करने लगे हैं। आंकड़ों के मुताबिक वित्त वर्ष 2019-20 के मुकाबले वित्त वर्ष 2020-21 में करीब तीन गुना ज्यादा पुरानी गाड़ियां ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए ही बेची गई हैं। ऑनलाइन कार शॉपिंग वेबसाइट इंडिया ब्लू बुक के मुताबिक वित्त वर्ष 2019-20 में बिकने वाली पुरानी गाड़ियों की संख्या करीब 14 लाख थी। वित्त वर्ष 2020-21 में ये बढ़कर 39 लाख के करीब पहुंच गई। इस दौरान नई गाड़ियों की बिक्री में वित्त वर्ष 2020-21 में पहली तिमाही में रहे लॉकडाउन के चलते करीब 36 फीसदी की कमी देखी गई थी। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन के प्रेसिडेंट विंकेश गुलाटी ने हिंदुस्तान को बताया कि पुरानी कारों की बिक्री देश में बड़े पैमाने पर हो रही है। अब ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए इनके आंकड़ों को इकट्ठा किया जाना संभव हो सका है। आने वाले दिनों में इसमें और बढ़त का अनुमान है। इसके अलावा ग्लोबल कंसल्टेंसी डेलॉएट के सर्वे में 75 फीसदी लोगों ने बताया है कि उन्होंने अपनी दूसरी गाड़ी की खरीद की समय सीमा कुछ दिनों के लिए टाल दी है। ये सर्वे दुनिया के 23 देशों के 24 हजार लोगों को बीच किया गया है। भारत के आंकड़ों की बात की जाए तो यहां सितंबर और अक्टूबर 2020 में लोगों के बातचीत की गई। इसमें से 38 फीसदी लोगों ने गाड़ी जल्द खरीदने की बात कही है। वहीं 37 फीसदी लोगों को अभी समय लगेगा। साथ ही 25 फीसदी लोग अगली गाड़ी की खरीद के लिए तैयार हैं। इनमें से 57 फीसदी लोगों ने अपनी पसंद की कीमत वाली गाड़ी खरीदने की योजना जरूर बदल दी है। कोरोना महामारी के चलते करीब 65 फीसदी लोग सस्ती गाड़ी खरीदना चाहते हैं। 30 फीसदी छोटी गाड़ी और 35 फीसदी लोगों को ज्यादा माइलेज वाली गाड़ी की जरूरत महसूस हो रही है। सर्वे में लोगों ने ये भी कहा है कि उन्हें गाड़ी खुद जाकर शोरूम से अधिकृत डीलर से ही लेने में दिलचस्पी है। न कि वर्चुअल माध्यम के जरिए गाड़ी खरीदना चाहते हैं।

फ्रांस से भारत पहुंचे 4 और राफेल लड़ाकू विमान, पलक झपकते ही दुश्मनों को कर देंगे तबाह

नई दिल्ली। चार राफेल लड़ाकू विमानों की एक और खेप बुधवार को भारत पहुंच गया है। करीब 8000 किलोमीटर की हवाई यात्रा तय करके चार राफेल भारत पहुंचे हैं। चार लड़ाकू विमानों के भारत पहुंचने के साथ भारतीय एयरफोर्स की ताकत और बढ़ गई है। ये विमान फ्रांस से सीधे भारत पहुंचे हैं और इनकी एयर-टू-एयर रिफ्यूलिंग की गई। विमानों के भारत पहुंचने की जानकारी खुद भारतीय वायुसेना ने ट्वीट करके दी है। वायुसेना ट्वीट करते हुए लिखा है कि फ्रांस के मेरिगनैक एयर बेस से सीधे उड़ान भरकर राफेल का 5वां बैच 21 अप्रैल को भारत पहुंचा। लड़ाकू विमानों ने फ्रांस और यूएई की वायु सेना के एयर-टू-एयर रीफ्यूलिंग सपोर्ट के साथ लगभग 8000 किमी की दूरी तय की।

एयर चीफ मार्शल आरकेएस भदौरिया ने दिखाई हरी झंडी

इससे पहले इन लड़ाकू विमानों को वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल आरकेएस भदौरिया ने फ्रांस के सैन्य हवाईअड्डे से भारत के लिए चार लड़ाकू विमानों को झंडी दिखाकर रवाना किया था। अपने पांच दिवसीय फ्रांस दौरे के तीसरे दिन एयर चीफ मार्शल भदौरिया

फ्रांस के मेरिगनैक एयर बेस से सीधे उड़ान भरकर राफेल का 5वां बैच 21 अप्रैल को भारत पहुंचा। लड़ाकू विमानों ने फ्रांस और यूएई की वायु सेना के एयर-टू-एयर रीफ्यूलिंग सपोर्ट के साथ लगभग 8000 किमी की दूरी तय की।

ने एक राफेल विमान प्रशिक्षण केंद्र का दौरा भी किया। उन्होंने समय पर इन विमानों की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए फ्रांसीसी विमानन उद्योग का धन्यवाद भी किया।

कोविड के बावजूद आपूर्ति में देरी नहीं-फ्रांस में भारतीय दूतावास ने ट्वीट किया, फ्रांस के आधिकारिक दौरे पर आए एयर चीफ मार्शल आर के एस भदौरिया ने पायलटों की सराहना की और भारत के लिए राफेल विमानों के अगले बेड़े को भारत की सीधी उड़ान पर रवाना किया। इस दौरान फ्रांसीसी वायुसेना और यूएई द्वारा हवा में ही ईंधन भरा जाएगा। ट्वीट में कहा गया, कोविड के बावजूद समय पर आपूर्ति और पायलटों के प्रशिक्षण के लिए शुक्रिया फ्रांस, विशेष रूप से एफएएसएफ और फ्रेंच इंडस्ट्री।

देश में अब 18 हुई राफेल विमानों की संख्या-चार राफेल लड़ाकू विमानों के भारत पहुंचने के बाद देश में अब इनकी संख्या 18 पहुंच गई है। 14 विमान इससे पहले अलग-अलग खेप में भारत पहुंच चुके हैं और उनकी तैनाती भी कर दी गई है। अब देखने है कि बुधवार को जो विमान भारत पहुंचे उनकी तैनाती कहां की जाती है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इन विमानों को अंबाला एरबेस पर तैनात किया जा सकता है।

कोरोना के कहर के बीच घर लौटने वालों को पूरी सुविधा

रेलवे ने बीते 10 दिनों में दिल्ली क्षेत्र से चलाई 1166 विशेष ट्रेनें

नई दिल्ली। कोरोना मामलों के बढ़ने से दिल्ली व मुंबई जैसे बड़े शहरों से बिहार व उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों को लौटने वाले लोगों की बड़ी संख्या को देखते भारतीय रेल ने बीते 10 दिनों में महाराष्ट्र से 432 विशेष ट्रेनों का संचालन किया है, जबकि दिल्ली क्षेत्र से 1166 विशेष ट्रेनों को चलाया गया है। मौजूदा समय में भारतीय रेल रोजाना 1512 विशेष मेल एक्सप्रेस ट्रेनों का संचालन कर रही है। कोरोना काल में भारतीय रेल देश भर में विशेष रेल यात्री सेवाओं का संचालन कर रही है। इनमें मेल व एक्सप्रेस ट्रेनें शामिल हैं। साथ ही सवारी गाड़ी और उपनगरी ट्रेनें भी शुरू की गई है। इनके अलावा अप्रैल-मई में ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेनों का संचालन भी शुरू किया गया है। 20 अप्रैल की स्थिति के अनुसार भारतीय रेल 1512 विशेष ट्रेनों का रोजाना औसतन संचालन कर रही है। इनके साथ 5387 उपनगरीय ट्रेनों और 981 सवारी गाड़ियों का भी संचालन किया जा रहा है। भारतीय रेल के द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार 21 अप्रैल को रेलवे ने दिल्ली क्षेत्र से 53 विशेष यात्री ट्रेनों का संचालन किया है, जबकि पश्चिम क्षेत्र से मध्य रेलवे ने 41 और पश्चिम रेलवे ने पांच विशेष ट्रेनों का संचालन किया है। रेलवे ने कहा है कि आगे भी यात्रियों की मांग को देखते हुए विशेष ट्रेनें चलाने के लिए तैयार है। इस बीच रेल मंत्री पीयूष गोयल ने ट्वीट कर कहा है कि मुंबई से विशाखापट्टनम के लिए चली पहली ऑक्सीजन एक्सप्रेस ट्रेन के बाद बुधवार रात को लखनऊ से एक और ऑक्सीजन एक्सप्रेस ट्रेन बोकारो भेजी जा रही है,

क्रॉसिंग पर खड़ी गाड़ियों को टक्कर मारकर डिरेल हुई ट्रेन, चार लोगों की मौत

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली में हुलासनगरा रेलवे क्रॉसिंग पर गुरुवार सुबह करीब 05:00 बजे बड़ा हादसा हो गया। ट्रैक पर खड़े दो वाहनों को टक्कर मारकर ट्रेन डिरेल हो गई। हादसे में बाइक सवार एक महिला और उसकी बच्ची समेत 4 लोगों की मौत हो गया। वहीं दो लोग गंभीर हालत में अस्पताल भेजे गए हैं। बताया जा रहा है कि चंडीगढ़ लखनऊ स्पेशल ट्रेन के आने का सिग्नल मिला। गेटमैन सुबह करीब 5 बजे क्रॉसिंग बन्द करने लगा। उसने ट्रैक पर खड़े लोगों को हटने को कहा लेकिन वाहन चालक नहीं माने। फूटी लदी मिनी ट्रक और एक अन्य वाहन ट्रैक पर ही रह गए और

इतने में ट्रेन आ गई। जब तक लोग भागते ट्रेन ने जबरदस्त टक्कर मार दी। वाहनों से टकराकर ट्रेन कुछ दूर पर डिरेल हो गई। इस हादसे के बाद हड़कंप मच गया। बाइक पर सवार पुरुष, महिला और उसकी बच्ची के साथ ही पैदल जा रहे एक स्थानीय व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं दो अन्य गाड़ियों में फंसे रहे। किसी तरह पुलिस और स्थानीय लोगों ने उन्हें निकाला। पुलिस ने दोनों को एक निजी अस्पताल भेज दिया। वहीं हादसे की सूचना रेलवे के उच्चाधिकारियों को दी गई। मुके पर राहत और बचाव कार्य शुरू हो गया है। ट्रैक खाली कराया।जा रहा है।

डीएम व एसपी मौके पर, सिविल पुलिस भरेगी पंचनामा

हादसे की सूचना कंट्रोल रूम पर गूंजने लगी। मौके पर डीएम शाहजहांपुर, एसपी समेत कई अधिकारी पहुंच गए। मुरादाबाद से डीआरएम एडीआरएम समेत कई अधिकारी भी रवाना हो गए हैं। ट्रक को जेसीबी से हटवा दिया गया। मीरानपुर कटरा पुलिस मामले में पंचनामा भर रही है। इस मामले में लोको पायलट, सहायक लोको पायलट और गार्ड के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। आरपीएफ इंस्पेक्टर और कामर्शियल इंस्पेक्टर मामले की प्राथमिक जांच कर रहे हैं। प्राथमिक जांच के आधार पर ही रेल कर्मियों पर कार्यवाई होगी। सस्पेंड किया जा सकता है।

हाईकोर्ट की केंद्र सरकार को लताड़, भीख मांगिए या चोरी कीजिए, अस्पतालों को ऑक्सीजन की आपूर्ति कीजिये

नई दिल्ली। अस्पतालों में ऑक्सीजन के कारण गंभीर होती स्थिति पर दिल्ली हाईकोर्ट ने बुधवार को सख्त रुख अख्तियार कर लिया। हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार से यहां तक कहा कि भीख मांगिये, उधार लीजिये या चोरी कीजिये लेकिन अस्पतालों को ऑक्सीजन की आपूर्ति सुनिश्चित कीजिये। हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार को तत्काल प्रभाव से औद्योगिक इकाइयों को दी जाने वाली ऑक्सीजन गैस की आपूर्ति बंद करने का आदेश दिया। न्यायालय ने कहा कि आखिर केंद्र सरकार सच्चाई और स्थिति की गंभीरता को स्वीकार क्यों नहीं कर रही है। उच्च न्यायालय ने सभी उद्योगों से कहा है कि वह अपने इस्तेमाल के लिए उत्पादित ऑक्सीजन इस संकट के समय में केंद्र सरकार को दे और सरकार इसे जरूरत के हिसाब से सभी राज्यों के हास्पिटल को इसकी आपूर्ति करे। जस्टिस विपिन सांघी और रेखा पल्ली की पीठ ने केंद्र सरकार को उद्योगों से ऑक्सीजन लेकर अस्पतालों तक पहुंचाने के तरीकों और साधनों पर विचार करने को कहा है। जरूरत पड़ने पर इसके परिवहन के लिए समर्पित कॉरिडोर या विशेष विमान का सहारा लेने को कहा है। पीठ ने सरकार को हर हाल में अस्पतालों में आक्सीजन की आपूर्ति सुनिश्चित करने को कहा है। पीठ ने मैक्स

हॉस्पिटल प्रबंधन की ओर से दाखिल अर्जी पर देर शाम आपात सुनवाई करते हुए टिप्पणी की। हॉस्पिटल प्रबंधन ने कहा कि उनके अस्पतालों में सैकड़ों कोरोना मरीज हैं और ऑक्सीजन की भारी संकट है। कहा कि समय रहते ऑक्सीजन की आपूर्ति नहीं हुई तो सैकड़ों मरीजों की जान बचाना मुश्किल हो जाएगा।

अस्पतालों में ऑक्सीजन नहीं, स्टील प्लांट चल रहे-न्यायालय ने कहा है कि 'हम अचंभित और निराश हैं कि अस्पतालों को ऑक्सीजन का कमी का सामना करना पड़ रहा है और स्टील प्लांट आसानी से चल रहा है। पीठ ने सवालिया लहजे में केंद्र सरकार से कहा कि ऑक्सीजन की कमी से हजारों लोग मर रहे हैं और आपकी प्राथमिकता स्टील प्लांट का परिचालन जारी रखना है? उच्च न्यायालय ने कहा है कि हम ऑक्सीजन की कमी के चलते मरीजों को मरने के लिए नहीं छोड़ सकते। पीठ ने कहा है कि 'हमें यह कहने में गुरेज नहीं है कि सरकार वास्तविक सच्चाई से अनजान है। पीठ ने केंद्र सरकार से कहा कि हमने मंगलवार ही आपको उद्योगों के गैस की आपूर्ति तत्काल बंद करके अस्पतालों को देने का निर्देश दिया था, आपने क्या किया। पीठ ने कहा कि सरकार को यह समझना होगा कि यह गंभीर किस्म की आपात स्थिति है और आप लोगों को ऑक्सीजन की कमी के चलते अस्पतालों में मरने के लिए नहीं छोड़ सकते। उच्च न्यायालय ने यह टिप्पणी करते हुए कहा कि मरीजों के जान बचाने के लिए हॉस्पिटलों में ऑक्सीजन की आपूर्ति सुनिश्चित करना आपकी (केंद्र सरकार) जिम्मेदारी है और इसके लिए समुचित कदम उठाने होंगे। पीठ ने सरकार से कहा कि यदि आवश्यक हो तो चिकित्सा इस्तेमाल के लिए स्टील और पेट्रोलियम सहित अन्य उद्योगों को ऑक्सीजन की आपूर्ति पूरी तरह से बंद किया जाए और इसे अस्पतालों को दिया जाए।

न्यायालय ने कहा है कि स्टील और पेट्रोकेमिकल उद्योग ऑक्सीजन के सबसे बड़े खपत करने वाला है और सरकार अस्पतालों की जरूरतों और लोगों की जान बचाने के लिए वहां से आक्सीजन ले।

सार समाचार

कांग्रेस ने फडणवीस से कहा, राजनीति करने के बदले महाराष्ट्र सरकार का समर्थन करें

मुंबई। महाराष्ट्र कांग्रेस प्रमुख नाना पटोले ने बृहस्पतिवार को विपक्ष के नेता देवेंद्र फडणवीस से कहा कि वह अभी राजनीतिक मतभेदों को दूर रखकर कोविड की मौजूदा खतरनाक स्थिति से मुकाबला करने के लिए राज्य सरकार के प्रयासों का समर्थन करे। उनकी पार्टी राज्य की गठबंधन सरकार में शिवसेना और राकांपा के साथ भागीदार है। उन्होंने एक बयान में कहा कि अभी समय की मांग यह गौर करने की है कि किस प्रकार आम लोगों के जीवन को बचाया जा सकता है तथा कोविड मरीजों को किस प्रकार रेमडेसिविर तथा ऑक्सीजन आदि की आपूर्ति की जा सकती है। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया, ''राज्य को पर्याप्त चिकित्सा सहायता सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार के साथ समन्वय करने के बदले, फडणवीस और राज्य के अन्य भाजपा नेता केवल प्रदेश सरकार को परेशान करने के लिए काम करना चाहते हैं।' पटोले ने कहा कि फडणवीस और अन्य भाजपा नेताओं को गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार करने के बदले केंद्र में महाराष्ट्र की आवाज बनना चाहिए। उन्होंने फडणवीस से राजनीतिक मतभेदों को अलग रखने और राज्य के लिए अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करने को कहा। उन्होंने कहा कि कोविड -19 एक राष्ट्रीय आपदा है और इसके बाद भी महाराष्ट्र को केंद्र से दवाओं और चिकित्सा उपकरणों की खरीद के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। पटोले ने कहा कि महाराष्ट्र को प्रतिदिन 50,000 रेमडेसिविर इंजेक्शन की जरूरत है और केंद्र ने प्रति दिन केवल 26,000 शीशियों का ही आवंटन किया है। उन्होंने कहा ऐसा पूर्वाग्रह अच्छी बात नहीं हैं।

केंद्र के दिल्ली को आक्सीजन के आवंटन के फैसले का कुछ राज्य सम्मान नहीं कर रहे : अदालत

नयी दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि केंद्र द्वारा हरियाणा जैसे दूसरे राज्यों के संयंत्र से दिल्ली को आवंटित ऑक्सीजन के फैसले का स्थानीय प्रशासन द्वारा सम्मान नहीं किया जा रहा है और इसे तत्काल सुलझाने की जरूरत है। न्यायमूर्ति विपिन सांघी और न्यायमूर्ति रेखा पल्ली की यह टिप्पणी तब आई जब दिल्ली सरकार ने अदालत को बताया कि हरियाणा के पानीपत से होने वाली ऑक्सीजन की आपूर्ति को वहां की स्थानीय पुलिस अनुमति नहीं दे रही है। दिल्ली सरकार ने अदालत को यह भी बताया कि उत्तर प्रदेश के कुछ संयंत्रों से भी ऑक्सीजन का लेकर नहीं आने दिया गया। सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत से कहा कि वह दिल्ली सरकार द्वारा उठाए गए मुद्दे पर निर्देश (केंद्र सरकार से) लेंगे। सॉलिसीटर के अनुरोध पर अदालत ने कहा कि वह इस मामले की सुनवाई कुछ समय बाद करेगी।

दिल्ली को ऑक्सीजन की आपूर्ति रोक रहे यूपी व हरियाणा, केंद्र मदद करे: सिसोदिया

नयी दिल्ली। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश और हरियाणा में पुलिस दिल्ली की ऑक्सीजन की आपूर्ति रोक रही है। उन्होंने केंद्र से आग्रह किया कि वह नगर में जीवनरक्षक गैस की सामान्य आपूर्ति सुनिश्चित करे, भले ही इसके लिए अर्धसैनिक बलों की मदद लेनी पड़े। सिसोदिया ने कहा, ''यह जंगल-राज तीन दिनों से चल रहा है। उन्होंने कहा, ''दिल्ली के कुछ अस्पताल में ऑक्सीजन समाप्त होने के कगार पर है। उनके पास कोई विकल्प उपलब्ध नहीं है। मुझे लगागतार कॉल, संदेश, ई-मेल मिल रहे हैं। हम आंतरिक, अस्थायी व्यवस्था कर रहे हैं, लेकिन यह लंबे समय तक नहीं चल सकता।'' सिसोदिया दिल्ली में कोविड-19 प्रबंधन के नोडल मंत्री भी हैं। उन्होंने कहा कि अगर अस्पतालों को ऑक्सीजन की पर्याप्त आपूर्ति नहीं मिली तो कुछ समय बाद यहां कोरोना वायरस मरीजों की जान बचा पाना मुश्किल हो जाएगा। उन्होंने कहा, केंद्र को जरूरत पड़ने पर अर्धसैनिक बलों की मदद लेनी चाहिए और दिल्ली में ऑक्सीजन की आपूर्ति सुनिश्चित करनी चाहिए।

वसुंधरा राजे की अपील कहा- महामारी के समय राजनीति नहीं, राज्य नीति पर चलना होगा

जयपुर। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने कोरोना वायरस महामारी के समय एकजुट होने का आह्वान करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि यह समय राजनीति नहीं, राज्य नीति पर चलने का है।

भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजे ने यहां एक बयान में कहा कि यह ऐसा समय है जब हमें राजनीति नहीं, राज्य नीति पर चलना है, तो आओ साथ चलें। राजे ने कहा कि कोरोना वायरस के कारण देश ही नहीं हमारा राज्य भी संकट से गुजर रहा है। ऐसी स्थिति में डरने की नहीं, सावधानी बरतने की जरूरत है। लोगों से स्वास्थ्य प्रोटोकॉल के पालन का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि अगर हम स्वेच्छा से घर पर रहते हैं तो इसका फायदा परिवार को ही नहीं पूरे राज्य को होगा। उल्लेखनीय है कि राज्य में कोरोना वायरस से संक्रमित उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 96,366 हो गयी है।

दिनभर कोरोना पर चोट, शाम को मांगेंगे वोट, दिल्ली से ही मिशन बंगाल साधेंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

कोरोना वायरस की दूसरी लहर में रिकॉर्डतोड़ मामले सामने आने की वजह से देश में हाहाकार मचा हुआ है। उत्तर प्रदेश, दिल्ली, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र समेत कई ऐसे राज्य हैं, जहां रोजाना बड़ी संख्या में मामले सामने आ रहे हैं। कई अस्पतालों में ऑक्सीजन की कमी के चलते मरीजों की जान जोखिम में आ गई है। इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कई बैठकें करने का फैसला लिया है। पीएम मोदी इन बैठकों की वजह से अपना बंगाल का कल का दौरा भी रद्द करने का ऐलान कर चुके हैं। बंगाल में शुक्रवार को पीएम मोदी को चुनावी रैलियों को संबोधित करना था। हालांकि, पीएम मोदी दिल्ली से ही वर्चुअल तरीके से बंगाल की अपनी रैलियों को संबोधित करेंगे।

पीएम मोदी करेंगे कई अहम बैठकें

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल सबसे पहले कोरोना वायरस के हालात पर इंटरनल मीटिंग करेंगे। यह मीटिंग सुबह 9 बजे शुरू होगी। इसके बाद वे उन राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ बात करेंगे, जहां पर कोरोना के काफी अधिक संख्या में नए मामले सामने आ रहे हैं। मुख्यमंत्रियों के साथ पीएम मोदी की यह बैठक 10 बजे होगी। इसके बाद मोदी दोपहर 12:30 बजे देश के प्रमुख ऑक्सीजन निर्माताओं से बात वर्चुअल बैठक करेंगे, जिसमें ऑक्सीजन की हो रही कमी को लेकर चर्चा की जाएगी।

कोरोना के सभी पुराने रिकॉर्ड्स हुए ध्वस्त

मालूम हो कि देश में गुरुवार को कोविड-19 के अब तक के सर्वाधिक 3.14 लाख से ज्यादा मामले आने के साथ ही संक्रमितों की संख्या बढ़कर 1,59,30,965 हो गई है। दुनिया के किसी भी देश में एक दिन में कोरोना वायरस संक्रमण का यह सर्वाधिक आंकड़ा है। पिछले 24 घंटे में संक्रमण के 3,14,835 मामले आए जबकि 2104 और मरीजों की मौत हो जाने से अब तक इस महामारी की वजह से जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर 1,84,657 हो गई है।

ऑक्सीजन पर पीएम मोदी ने की हाईलेवल मीटिंग

वहीं, प्रधानमंत्री मोदी ने ऑक्सीजन की उपलब्धता और इसकी आपूर्ति को लेकर गुरुवार को एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की है और शीर्ष अधिकारियों से ऑक्सीजन का उत्पादन बढ़ाने, उसके वितरण की गति तेज करने और अस्पतालों में उसके उपयोग के नए तरीकों का पता लगाने की जरूरत पर बल देने को कहा। इस दौरान, प्रधानमंत्री ने राज्यों से ऑक्सीजन की जमाखोरी करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने को कहा और उन्हें निर्बाध और बगैर किसी परेशानी के ऑक्सीजन की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए।

बंगाल के लिए वर्चुअल रैली करेंगे पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार का अपना बंगाल दौरा चाहे रद्द कर दिया हो, लेकिन वे दिल्ली से ही रैलियों को संबोधित करेंगे। पीएम मोदी की कल बंगाल चुनाव के लिए चार रैलियां होनी है, जिसके लिए उन्हें बंगाल जाना था। हालांकि, कोरोना वायरस की वजह से देश में उत्पन्न हुए मौजूदा हालातों के चलते प्रधानमंत्री ने दौरे को रद्द कर दिया। पीएम मोदी की कल चार रैलियां मुर्शिदाबाद, मालदा, बीरभूम और कोलकाता दक्षिण में होनी थीं। अब दौरे के रद्द होने के बाद पीएम शाम पांच बजे वर्चुअल तरीके से रैलियों को संबोधित करेंगे।

गंभीर ने फिर साधा केजरीवाल पर निशाना, कहा- एक भी ऐसा सीएम होगा तो मैं इस्तीफा दे दूंगा

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

दिल्ली में बढ़ते कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों के बीच राजनीतिक बयानबाजी भी लगातार जारी है। पूर्वी दिल्ली से भाजपा सांसद गौतम गंभीर ने एक बार फिर से दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा है। गंभीर ने कहा कि क्या मुख्यमंत्री जी भी दिल्ली के जनता की कुछ मदद करेंगे? क्या सारी जिम्मेदारी केंद्र की है? देश में एक भी ऐसा मुख्यमंत्री बताईये जिसने अपने विज्ञापन पर 600 करोड़ रुपये खर्च किया हो। अगर केजरीवाल जी के अलावा एक भी ऐसा मुख्यमंत्री होगा तो मैं इस्तीफा दे दूंगा।

फेबी फ्लू को सांसद कार्यालय से बांटे जाने पर गंभीर की खूब आलोचना हो रही है। इस आलोचना का जवाब देते हुए गौतम गंभीर ने कहा कि कुछ सौ स्ट्रिप्स अपनी जेब से लेकर गरीबों की मदद की जाए तो क्या इसे जमाखोरी कहते है? वे लोग कह रहे हैं जिन्होंने रेमडेसिविर को 30-40 हजार रुपये में और एक बेड को 5-10 लाख रुपये में बिकने दिया। आप अपनी जेब से गरीबों की जिंदगी बचाते हैं तो, वे इस पर राजनीति करना चाहते हैं। न्यूज एजेंसी ए एन आई के मुताबिक गंभीर ने आगे कहा कि आप जागृति जाकर देख लें हम किस तरह से फेबी फ्लू बांट रहे हैं। लोग अपना आधार और दवा की पर्ची लेकर आएं। जितनी टैबलेट की जरूरत है, हम मुफ्त में उपलब्ध कराते हैं। जितने दिन हम चला पाएंगे चलाएंगे। हमारी कोशिश है कि गरीबों की जिंदगी बच जाए, उनको फेबी फ्लू मिल जाए।

इन सबके बीच भाजपा सांसद गौतम गंभीर के कार्यालय के बाहर बहुत से लोग दवा की पर्ची लेकर दवा के लिए पहुंच रहे हैं। एक व्यक्ति ने कहा कि हमें डॉक्टर ने फेबी फ्लू टैबलेट लाने को कहा है। यह दवा कहीं भी उपलब्ध नहीं है। यहां यह टैबलेट मुफ्त में दी जा रही है। आपको बता दें कि दिल्ली में कोरोना संक्रमण महामारी लगातार जारी है। दिल्ली में बुधवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 24,638 नए मामले सामने आने के बाद संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 9,30,179 हो गई। इसके अलावा 249 रोगियों की मौत होने के बाद मृतकों की तादाद 12,887 हो गई है। राजधानी में संक्रमण की दर 31.28 प्रतिशत है, जिसका अर्थ है कि हर तीसरे नमूने में संक्रमण की पुष्टि हुई है।

ममता के वोट बैंक और अवैध प्रवासी बंगाल में हैं असली बाहरी: अमित शाह

हरिरामपुर (पश्चिम बंगाल)। (एजेंसी)।

गृह मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर उनके 'भीतरी-बाहरी' वाले बार-बार दोहराए गए बयान के जरिए निशाना साधते हुए कहा कि ''अवैध प्रवासियों का उनका वोट बैंक'' जिसके समर्थन के बल पर वह राज्य में शासन करना चाहती हैं, असल में बाहरी वे ही लोग हैं। शाह ने आरोप लगाया कि बनर्जी के पास प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और स्वयं उनके लिए अपशब्दों का इस्तेमाल करने के अलावा और कोई एजेंडा नहीं है। दक्षिण दिनाजपुर जिले के हरिरामपुर क्षेत्र में एक जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा, ''हर चुनावी रैली में अपने हर भाषण में वह दस मिनट प्रधानमंत्री और मेरे लिए अपशब्दों का इस्तेमाल करती हैं। मैं देश का गृह मंत्री हूं, क्या मैं लोगों से बात नहीं कर सकता? मैं बाहरी कैसे हुआ?''

उन्होंने कहा, ''मेरा जन्म इसी देश में हुआ है और मरने के बाद मेरा अंतिम संस्कार भी इस पवित्र भूमि पर होगा। अवैध प्रवासियों का आपका वोट बैंक ही बाहरी है जिनके बल पर आप बंगाल पर शासन करना चाहती हैं।'' शाह ने दावा किया कि वाम दल और कांग्रेस के वोट बैंक भी ''ये बाहरी लोग'' ही हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा पश्चिम बंगाल में सत्ता में आती है तो वह यह सुनिश्चित करेगी कि राज्य की सीमाओं से कोई भी प्रवासी अवैध रूप से प्रवेश ना करे। उन्होंने कहा कि राज्य में भाजपा की नई सरकार शरणार्थियों को नागरिकता देगी।

रक्षामंत्री राजनाथ ने इंडोनेशिया के रक्षा मंत्री को दिया आश्वासन, कहा- लापता पनडुब्बी को खोजने में भारत करेगी मदद

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को इंडोनेशिया के अपने समकक्ष जनरल प्रबोवो सुबिआन्तो से बातचीत की और उन्हें 53 लोगों के साथ लापता पनडुब्बी का पता लगाने में भारत के 'पूर्ण समर्थन' का विश्वास दिलाया। नौसेना की लापता पनडुब्बी का पता लगाने के लिए भारतीय नौसेना ने समुद्र की गहराई में बचाव अभियान चलाने में सक्षम अपने पोत भेजा है। 'डीप सबमर्जेंस रेस्क्यू वेसल (डीएसआरवी) इंडोनेशियाई नौसेना की लापता पनडुब्बी की तलाश में मदद करने के लिए विशखापत्तनम से रवाना हो गया। पनडुब्बी 'केआरआई नांग्गला-402' बुधवार को उस समय लापता हो गई जब यह बाली जलडमरूमध्य में सैन्य अभ्यास पर थी। राजनाथ सिंह ने ट्वीट किया, '' इंडोनेशिया के रक्षा मंत्री जनरल प्रबोवो सुबिआन्तो से फोन पर बात की और पनडुब्बी नांग्गला एवं चालक दल के सदस्यों के लापता होने की खबर पर दुख साझा किया।

भारत, इंडोनेशिया के बचाव प्रयासों में पूरा सहयोग दे रहा है।'' सिंह ने कहा कि भारत हमेशा से जरूरत के समय में अपने सामरिक सहयोगियों की मदद को प्रतिबद्ध है और जनरल प्रबोवो सुबिआन्तो ने इसे स्वीकार किया और उनके देश को भारत के सहयोग की सराहना की। रक्षा मंत्री ने कहा, '' मैंने पहले ही भारतीय नौसेना को डीप सबमर्जेंस रेस्क्यू वेसल (डीएसआरवी) को इंडोनेशिया की ओर भेजने का निर्देश दिया है। मैंने भारतीय वायु सेना से हवाई मार्ग के जरिये डीएसआरवी शामिल करने की व्यवहार्यता देखने को कहा है।'' इससे पहले, भारतीय नौसेना के प्रवक्ता विवेक मधवाल ने कहा कि भारत उन गिने चुने देशों में शामिल है जो डीएसआरबी के जरिये खराब पनडुब्बी की तलाश एवं बचाव कार्य करने में सक्षम हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय डीएसआरवी आधुनिकतम प्रौद्योगिकी से लैस है और समुद्र में समाने वाली पनडुब्बियों का पता लगाने के लिए इसमें 'सोनार' उपकरण लगे हुए हैं। नौसेना की डीएसआरबी प्रणाली आधुनिक प्रौद्योगिकी का उपयोग करके 1000 मीटर की गहराई में पनडुब्बी का पता लगा सकता है।

केंद्र सरकार के पास पर्याप्त धन, लेकिन मुफ्त टीका उपलब्ध नहीं करायेगी: ममता

तपन (पश्चिम बंगाल)। (एजेंसी)।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को कहा कि केंद्र को कोविड-19 रोधी टीकों की खुराक की अलग-अलग कीमत की अनुमति नहीं देनी चाहिए और लोगों को यह टीका मुफ्त में दिया जाना चाहिए। बनर्जी ने पश्चिम बंगाल के तपन में एक चुनावी रैली में दावा किया कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के खजाने में पर्याप्त धन होने के बावजूद वह टीका मुफ्त नहीं देना चाहती। उन्होंने कहा कि कोविशील्ड के लिए केंद्र 150 रुपये देता है, राज्यों को 400 रुपये देना होता है और निजी अस्पतालों को 600 रुपये देना होता है। तृणमूल सुप्रीमो ने कहा, ''क्या यह मजाक है? आखिर एक टीका अलग-अलग कीमत पर क्यों बेचा जा रहा है? टीके का वाणिज्यीकरण नहीं होना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री नागरिक सहायता एवं आपात स्थिति राहत कोष (पीएम केयर्स फंड) में केंद्र के पास काफी धन है लेकिन वह मुफ्त टीका उपलब्ध नहीं करवाएगा। आखिर वे (केंद्र के नेता) इन दिनों जरूरतमंदों की मदद क्यों नहीं कर सकते?'' ममता ने आरोप लगाया कि ''कोविड-19 के मामलों में बढ़ोत्तरी देश के लिए मोदी की देन है।'' उन्होंने कहा, ''अब तक आपने (प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने) कुछ नहीं किया, आपने लोगों को सचेत नहीं किया या समय रहते जरूरी एहतियात नहीं बरती। अब मामलों के बढ़ने के बीच आप लोगों से टीके की खुराक खरीदने और टीका लगवाने के लिए कह रहे हैं।'' ममता ने इजराइल का उल्लेख किया जहां मास्क पहनना अब अनिवार्य नहीं है। उन्होंने कहा, ''भारत में क्या हुआ? अब तक मोदी सरकार ने राज्यों को खुद टीकाकरण अभियान चलाने की अनुमति नहीं दी और इसी के कारण इस प्रक्रिया में देरी हुई।'' तृणमूल कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने 43 लोगों को टीके की खुराक दी है, इसका उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, ''अब तक हमने 40,000 से 50,000 लोगों का हर दिन टीकाकरण किया है। राज्य ने टीके की एक करोड़ खुराक की मांग की है।'' उन्होंने आश्वस्त किया कि उनकी सरकार पांच मई के बाद 18 साल से अधिक उम्र के लोगों का मुफ्त में टीकाकरण करेगी। बनर्जी ने मतदाताओं से अपील की कि वे धार्मिक भेदभाव से ऊपर उठकर और ''विभाजनकारी ताकतों जैसे कि भाजपा को टैगोर, नजरूल और अन्य महान हस्तियों की धरती रहे बंगाल में अपना गढ़ बनाने से रोकें।

कोरोना की दूसरी लहर के लिए जिम्मेदार कौन? समय-समय पर राज्यों को सचेत करता रहा है केंद्र

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

भारत में इस वक्त कोरोना वायरस महामारी अपने चरम पर है। हर रोज लगातार मामलों में भारी रूप से वृद्धि देखी जा रही है। आज तो 315000 से भी ज्यादा नए मामले सामने आए हैं जबकि 2100 से ज्यादा लोगों की इस खौफनाक बीमारी से मौत हो गई। इन सबके बीच देश की स्वास्थ्य व्यवस्था बिल्कुल चरमराई हुई सी नजर आ रही है। अस्पतालों में बेड नहीं है, ऑक्सीजन नहीं है, वेंटिलेटर नहीं है। यह तो छोड़िए, हाल यह है कि अब राज्यों में ऑक्सीजन को लेकर मारामारी मची हुई है। वहीं कुछ दवाइयां भी फिलहाल आसानी से उपलब्ध नहीं हो रहे हैं। लेकिन सबसे बड़ा सवाल है कि आखिर इस स्थिति के लिए जिम्मेदार कौन है?

पिछले साल जब भारत में कोरोना महामारी अपना पैर पसार रहा था तब हमने सीमित संसाधनों में ही इस महामारी के ऊपर लड़ाई लगभग जीत ली थी। लेकिन आखिर यह जीती हुई बाजी हार में कैसे तब्दील हो गई। इस बात को लेकर तरह-तरह के दावे किए जा रहे हैं। कुछ एक्सपर्ट्स का कहना है कि मामले कम होने के साथ ही हम लापरवाह हो गए थे। जबकि कुछ का मानना यह है कि सरकारों ने भी इस महामारी को गंभीरता से लेना छोड़ दिया था। कोरोना वायरस की दूसरी लहर को लेकर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप भी लगातार जारी है। विपक्ष लगातार इस भयंकर त्रासदी के लिए केंद्र सरकार पर निशाना साधा रहा है। वहीं केंद्र लगातार राज्यों पर लापरवाही के आरोप लगा रहा है।

क्या वाकई में सरकारों ने कोरोना संक्रमण को गंभीरता से लेना छोड़ दिया था? वर्तमान में स्थिति देखकर कुछ ऐसा ही लगता है। सरकारों ने ना सिर्फ इस महामारी को गंभीरता से लेना छोड़ दिया था, बल्कि इसकी लड़ाई के लिए जरूरी चीजों पर भी ध्यान नहीं दिया जा रहा था। सोशल डिस्टेंसिंग हो या मास्क हो या फिर सेनीटाइजर, इन चीजों का इस्तेमाल कम ही हो रहा था। सरकार की ओर से भी सख्ती नहीं दिखाई जा रही थी। पिछले साल कोरोना के दौरान अस्पतालों में जिस तरह से वेंटिलेटर, ऑक्सीजन, बेड की व्यवस्था की गई थी उसको खत्म होने दिया गया। यही कारण हुआ कि अचानक बढ़े कोरोना के मामलों ने देश में भयंकर स्थिति पैदा कर दी है। हालांकि, केंद्र लगातार राज्य सरकारों को कोरोना वायरस की दूसरी लहर को लेकर सचेत करता रहा है। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से लगातार राज्यों को चिट्ठियां लिखी गई हैं।

7 जनवरी को लिखी गई चिट्ठी में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने महाराष्ट्र, केरल, छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल की सरकारों को खत लिखा था जिसमें उन्हें कोरोनावायरस के बढ़ते मामलों को लेकर सख्ति करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद एक और चिट्ठी केंद्र की ओर से राज्य सरकारों को 21 फरवरी 2021 को लिखी गई थी जिसमें राज्यों से आरटी पीसीआर टेस्ट बढ़ाने की बात कही गई थी। यह वह समय था जब भारत में कोरोना के दूसरे लहर की शुरुआत हुई थी। महाराष्ट्र और केरल में मामले बढ़ रहे थे। 25 फरवरी 2021 को महाराष्ट्र, केरल, पंजाब, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, गुजरात, छत्तीसगढ़ की सरकारों को केंद्र की ओर से चिट्ठी लिखी गई थी जिसमें कोरोना वायरस की स्थिति पर चिंता जताई गई थी। वही एक और चिट्ठी 27 फरवरी को कैबिनेट सचिव राजीव गौबा की अध्यक्षता वाली उच्च स्तरीय मीटिंग के बाद लिखी गई थी जिसमें कोरोना प्रोटोकॉल का पालन कराने के लिए कहा गया था।

जाहिर सी बात है कि आज भारत में जिस तरीके से कोरोना वायरस महामारी की स्थिति है उसके लिए कहीं ना कहीं हम सब जिम्मेदार हैं। लेकिन हमारे साथ साथ वह सरकारें भी जिम्मेदार हैं जिनकी वजह से हम सब ने लापरवाही की।

सार समाचार

कोविड-19 के बढ़ते मामलों के बीच चीन ने की भारत को सहायता की पेशकश

बीजिंग। कोरोना वायरस के बढ़ते प्रकोप से निपटने के लिए चीन ने बृहस्पतिवार को भारत को आवश्यक समर्थन एवं सहायता उपलब्ध कराने की पेशकश की। भारत में कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते मामलों के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने संवाददाताओं से कहा कि कोविड-19 महामारी पूरी मानवता के लिए शत्रु है, जिससे निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय एकजुटता एवं पारस्परिक सहायता की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, चीन ने भारत में हाल ही में बिगड़े हालात और महामारी-रोधी चिकित्सा आपूर्ति की अस्थायी कमी का संज्ञान लिया है। महामारी को काबू करने के लिए चीन भारत को हरसंभव सहायता प्रदान करने को तैयार है।

अमेरिका के बाद अब ऑस्ट्रेलिया ने भी भारत जाने वाली उड़ानों की संख्या में कटौती की

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि भारत सहित कोविड-19 के उच्च खतरे वाले विभिन्न देशों से आने वाली उड़ानों की संख्या कम की जाएगी। उन्होंने दुनिया भर में कोरोना वायरस से संक्रमण के मामलों में तेजी से वृद्धि के बीच यह घोषणा की। मॉरिसन ने कैनबरा में राष्ट्रीय मंत्रिमंडल की बैठक के बाद कहा कि हम आने वाले महीनों में अपनी चार्टर्ड सेवाओं के तहत आने वाली उड़ानें की संख्या में 30 प्रतिशत की कमी करने पर सहमत हुए हैं। उच्च जोखिम वाले देशों की सूची को अंतिम रूप दिए जाने के बीच मॉरिसन ने कहा कि यह घोषणा भारत में कोरोना वायरस की दूसरी गंभीर लहर को ध्यान में रखते हुए की गई है। भारत में बृहस्पतिवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 3.14 लाख से अधिक नए मामले दर्ज किए गए। भारत में अब तक 1,59,30,965 लोग कोविड से संक्रमित हो चुके हैं। मॉरिसन ने कहा कि आस्ट्रेलिया लौटने के संबंध में बनाए गए नए नियम अब ऐसे उच्च जोखिम वाले देशों से आने वाले लोगों पर लागू होंगे। ऐसे देशों से आने वाले लोगों को यात्रा शुरू करने से 72 घंटे पहले कोविड जांच करानी होगी। उन्होंने कहा कि ये नए कदम दर्शाते हैं कि यह एक वैश्विक महामारी है जो बढ़ रही है।

भारत के साथ सुरक्षा संबंधों को बढ़ाने के लिए चीन ने एक अहम विधेयक को दी मंजूरी

वाशिंगटन। सीनेट की एक शक्तिशाली समिति ने अहम चीन सामरिक प्रतिस्पर्धा विधेयक को जोरदार समर्थन करते हुए उसे मंजूरी दी है जिसमें क्वाड समूह को समर्थन देने के साथ अन्य बातों तथा भारत के साथ सुरक्षा संबंधों को बढ़ाने का समर्थन किया गया है। चतुर्पक्षीय सुरक्षा संवाद के तौर पर जाना जाने वाले क्वाड समूह में अमेरिका, भारत, ऑस्ट्रेलिया और जापान शामिल है। वर्ष 2007 में इसकी स्थापना के बाद से चार सदस्य राष्ट्रों के प्रतिनिधि समय-समय पर मिल रहे हैं। चार देशों के शीर्ष नेताओं ने पिछले महीने राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा आयोजित ऐतिहासिक शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया था। सीनेट की विदेश संबंध समिति ने तीन घंटे की चर्चा और कई संशोधनों के साथ सामरिक प्रतिस्पर्धा अधिनियम को बुधवार को 21 मतों के साथ मंजूरी दी। इस द्विपक्षीय विधेयक के मुताबिक अमेरिका भारत के साथ व्यापक वैश्विक सामरिक साझेदार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की तस्दीक करता है और देश के साथ द्विपक्षीय रक्षा विमर्शों एवं सहयोग को और मजबूत करता है। इसने अमेरिकी सरकार से अपील की कि वे भारत के साथ करीब से विचार-विमर्श कर ऐसे क्षेत्रों की पहचान करे जहां वह क्षेत्र में चीन के कारण उत्पन्न आर्थिक एवं सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के भारत के प्रयासों में कूटनीतिक एवं अन्य सहायता दे सके।

ब्रिटेन के हीथ्रो हवाईअड्डे ने भारत से अतिरिक्त उड़ानों की मंजूरी देने से इनकार किया

लंदन। ब्रिटेन के हीथ्रो हवाईअड्डे ने शुक्रवार से भारत को ब्रिटेन की कोविड-19 यात्रा 'लाल सूची' में डालने से पहले, देश से अतिरिक्त उड़ानों को अनुमति देने से इनकार कर दिया। इस सूची के तहत ब्रिटिश या आयरलैंड के निवासियों के अलावा सभी के देश में प्रवेश पर प्रतिबंध होता है। बीबीसी ने बृहस्पतिवार को खबर दी कि विमानन कंपनियों से अतिरिक्त उड़ानों को अनुमति देने के अनुरोध को इसलिए खारिज कर दिया गया क्योंकि पासपोर्ट की जांच के दौरान लंबी कतारें लगने का जोखिम है। चार एयरलाइनों ने भारत से अतिरिक्त आठ उड़ानों के परिचालन का अनुरोध किया था क्योंकि यात्री नये नियमों के प्रभावी होने से पहले वापस आना-जाना चाहते हैं। वर्तमान में, भारत और ब्रिटेन के बीच एक हफ्ते में 30 उड़ानों का परिचालन किया जा रहा है। हवाईअड्डे की तरफ से कहा गया कि वह ज्यादा यात्रियों को यात्रा की अनुमति देकर सीमा पर मौजूदा कई तरह के दबाव को और नहीं बढ़ाना चाहता है। लाल सूची ऐसे समय में जारी की गई है जब भारत में कोरोना वायरस संक्रमण के मामले लगातार बढ़ रहे हैं और इसके चलते ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन को भी 26 अप्रैल को तय भारत यात्रा रद्द करनी पड़ी है।

भारतीय मूल की वनीता गुप्ता ने अमेरिका में रचा इतिहास, संभालेंगी ये अहम पद

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

भारतीय मूल की प्रमुख अमेरिकी नागरिक अधिकारों की वकील वनीता गुप्ता को अमेरिका की संसद ने सहयोगी अटॉर्नी जनरल के पद के लिए चुना है जिसके बाद वह पहली अश्वेत व्यक्ति बन गई हैं जो न्याय मंत्रालय में तीसरे सबसे बड़े पद पर काबिज होंगी। सीनेट में गुप्ता के पक्ष में 51 वोट पड़े जबकि 49 सांसदों ने उनके खिलाफ मत डाले।

रिपब्लिकन सीनेटर लीजा मुरकोवस्की ने खुद को अपनी पार्टी के रुख से अलग करते हुए गुप्ता का समर्थन में वोट किया। इससे डेमोक्रेट्स के पक्ष में 51 मत हो गए और ऐतिहासिक रूप से गुप्ता के नाम की पुष्टि हुई। बराबर मत पड़ने की सूरत में उपराष्ट्रपति कमला हैरिस अपना वोट डालने के लिए सीनेट में मौजूद थीं। अमेरिका में 100 सदस्यीय सीनेट में दोनों पार्टियों के 50-50 सदस्य हैं।

राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा, ÷सहयोगी अटॉर्नी जनरल के तौर पर सेवा देने के लिए पहली अश्वेत महिला के रूप में इतिहास रचने के लिए वनीता गुप्ता को बधाई। अब, मैं सीनेट से क्रिस्टन क्लार्क के नाम की भी पुष्टि करने की अपील करता हूं। दोनों बेहद योग्य हैं, अति सम्मानित वकील हैं जो नस्ली समानता एवं न्याय को बेहतर बनाने के प्रति समर्पित हैं।÷ गुप्ता पहली नागरिक अधिकार वकील भी हैं जो न्याय मंत्रालय के शीर्ष तीन पदों में से एक पर सेवा देंगी। सीनेट के बहुमत के नेता चक शूमर ने गुप्ता के नाम की पुष्टि में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कहा, ÷वह हमारी संघीय कानून प्रवर्तन एजेंसी में लंबे समय से अपेक्षित नजरिया लाएंगी।÷

भारतीय आव्रजकों की बेटी गुप्ता फिलाडेल्फिया इलाके में जन्मी और पली-बढ़ी हैं। नागरिक अधिकारों के लिए लड़ने का उनका शानदार करियर रहा है। उन्होंने येल विश्वविद्यालय से अपनी बीए की डिग्री प्राप्त की और ज्यूरिस डॉक्टर की डिग्री न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय से। गुप्ता ने 28 साल की उम्र में अपना करियर की शुरूआत 'एनएएसीपी कानूनी बचाव कोष' से की थी जहां उन्होंने टेक्सास में 38 अश्वेत अमेरिकियों को नशीली दवाओं के मामलों में गलत तरीके से दोषी ठहराने के फैसलों को पलटने में सफलता हासिल की थी। अमेरिकी नागरिक स्वतंत्रता संघ (एसीएलयू) में कार्यरत रहने के दौरान उन्होंने सामूहिक कैद को समाप्त करने की लड़ाई लड़ी और शरणार्थी बच्चों की तरफ से आप्रवासन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीए) के खिलाफ ऐतिहासिक समझौता हासिल किया था जिससे केंद्र में परिवारों को हिरासत में रखने की व्यवस्था समाप्त हुई। 2014 से 2017 तक गुप्ता ने पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के तहत नागरिक अधिकारों के लिए सहायक अटॉर्नी जनरल के तौर पर सेवा दी। भारतीय-अमेरिकी समूहों ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर गुप्ता को बधाई दी है।

भारत में कोरोना की दूसरी लहर मचा रही तबाही, चीन बोला- मदद करने को तैयार

बीजिंग (एजेंसी)।

देश में पिछले एक साल से भी ज्यादा समय से कोरोना वायरस महामारी कहर बरपा रही है, लेकिन कुछ दिनों पहले शुरू हुई दूसरी लहर में सभी रिकॉर्ड्स टूट गए हैं। देश के कई अस्पतालों में बेड्स, ऑक्सीजन की कमी होने लगी है, जिसके चलते कई मरीजों की जान खतरे में पड़ गई है। दूसरी लहर के कहर के बीच पड़ोसी देश चीन मदद के लिए सामने आया है। चीन ने गुरुवार को कहा है कि वह भारत को महामारी से सहायता और मेडिकल सप्लाई देने के लिए तैयार है। मालूम हो कि कोरोना वायरस की शुरुआत साल 2019 के अंत में चीन के वुहान शहर से ही हुई थी, जिसके बाद पूरी दुनिया में यह वायरस फैल गया। अभी तक लाखों लोगों की महामारी के चपेट में आने की वजह से मौत हो चुकी है।

दुनिया के सभी रिकॉर्ड्स हुए ध्वस्त : भारत में भी रोजाना रिकॉर्डतोड़ मामले सामने आ रहे हैं। गुरुवार को सामने आए आंकड़ों के अनुसार, देश में 24 घंटे में 3,14,835 नए मामले मिले हैं। इतने मामले जब से महामारी की शुरुआत हुई है, तब से दुनिया के किसी भी देश में एक दिन में सामने नहीं आए हैं। भारत में पिछले 24 घंटों में 2104 लोगों की जान चली गई है। देश में अभी तक डेढ़ करोड़ से अधिक लोग संक्रमित हो चुके हैं और अमेरिका के बाद सबसे ज्यादा मामलों में दूसरे स्थान पर है।

'नई दिल्ली की मदद को बीजिंग तैयार' : चीनी मीडिया द्वारा गुरुवार को भारत में कोरोना वायरस की दूसरी लहर को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने जवाब दिया। उन्होंने कहा कि बीजिंग मदद करने के लिए तैयार है। वांग ने कहा, 'कोविड -19 महामारी सभी मानव जाति की सामान्य दुश्मन है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय को महामारी से लड़ने के लिए एकजुट होने की जरूरत है।'

'भारत में मेडिकल सप्लाई की अस्थायी कमी' : चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने आगे बताया, 'चीनी पक्ष ने कहा है कि भारत में महामारी की स्थिति गंभीर है और महामारी की रोकथाम और चिकित्सा आपूर्ति की अस्थायी कमी है। हम भारत को आवश्यक सहायता और सहायता प्रदान करने के लिए तैयार हैं ताकि वे महामारी को नियंत्रित कर सकें।' हालांकि, अभी यह नहीं पता चल सका है कि क्या बीजिंग ने मदद के लिए नई दिल्ली को कोई आधिकारिक रूप से ऑफर दिया है या नहीं।

भारत भी कर चुका है चीन की मदद : हमारे सहयोगी अखबार हिन्दुस्तान टाइम्स को पता चला है कि कई भारतीय प्राइवेट कंपनियां चीन से सप्लाई लेने के लिए कोशिश कर रही हैं, लेकिन पिछले कुछ दिनों में एयर फ्रेट की लागत में अचानक बढ़ोतरी हुई है, जिससे उन पर असर पड़ा है। पिछले साल जब चीन में कोरोना वायरस कहर बरपा रहा था, तब भारत उन देशों में शामिल था जिन्होंने बीजिंग की मदद की थी।

पिछले साल चीन को भेजी गई थी 15 टन की मेडिकल सप्लाई : भारत ने पिछले साल 15 टन की मेडिकल सप्लाई जिसमें मास्क, ग्लव्स और इमरजेंसी मेडिकल के सामान थे, उन्हें चीन को दिया था। इनकी कीमत उस समय दो करोड़ से अधिक थी। पिछले साल मार्च में लोकसभा में दिए गए एक सवाल के जवाब में केंद्रीय मंत्री वी मुरलीधरन ने बताया था कि मेडिकल सप्लाई में एक लाख सर्जिकल मास्क, पांच लाख सर्जिकल ग्लव्स, चार हजार एन-95 मास्क, 75 इन्फ्यूजन पंप्स आदि सामान चीन भेजे गए हैं। वहीं, फरवरी 2020 में, भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग को पत्र लिखा था और महामारी से निपटने के लिए भारत द्वारा सहायता देने की बात कही थी।

भारत से लौटे प्रत्येक व्यक्ति को 14 नहीं 21 दिन रहना होगा पृथक-वास, सिंगापुर ने जारी की नई गाइडलाइंस

सिंगापुर। (एजेंसी)।

सिंगापुर के विशेषज्ञों ने कहा है कि सार्स-सीओवी-2 के दो बार रूप परिवर्तित कर चुके नये स्वरूप के खिलाफ देश की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए भारत से लौटे प्रत्येक व्यक्ति को 14 दिन के बजाय 21 दिन तक पृथक-वास में रखना होगा। 'द स्ट्रेट्स टाइम्स' ने बृहस्पतिवार को यह खबर दी। हालांकि, इसमें कहा गया कि भारत से आने वाले विमानों पर रोक लगाने की जरूरत नहीं है। एनयूएस सॉ स्वी स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ में वैश्विक स्वास्थ्य के उपाध्यक्ष एसोसिएट प्रोफेसर सू ली यांग ने कहा, ''14 दिन का पृथक-वास या घर पर ही रहने के नोटिस (एसएचएन) से 98 प्रतिशत से अधिक कोविड-19 के मामलों का पता लगाने में मदद मिलेगी, जिनमें वे लोग भी शामिल हैं जो उड़ान के दौरान संक्रमित हुए हैं।' यांग ने कहा, '21 दिन के पृथक-वास और कुछ खास जांचों से लगभग सभी मामलों का पता चल जाएगा।

हालांकि यात्री को इसकी काफी मानसिक एवं आर्थिक कीमत चुकानी पड़ेगी।' सिंगापुर ने मंगलवार को नये सुरक्षा उपायों की घोषणा की जिनमें भारत से लौटने वाले अस्थायी निवासियों के लिए कम से कम मंजूरियां देना भी शामिल है। विशेषज्ञों ने कहा कि भारत से लौटने वाले सभी यात्रियों को किसी केंद्र पर 14 दिन पृथक-वास में रहने के बाद अपने आवास पर सात दिन के लिए खुद को पृथक रखना होगा। ये नये उपाय स्थानीय तौर पर संक्रमण के मामलों के हाल में बढ़ जाने के बीच आए हैं और इनमें से तीन लोगों के संक्रमित होने के पीछे 43 साल के एक भारतीय नागरिक से संपर्क में आने को कारण माना जा रहा है जो संभवत: भारत में दोबारा संक्रमित हो गया था।

पाकिस्तान के जिस होटल में ठहरे थे चीनी प्रतिनिधिमंडल, उसकी पार्किंग में हुआ बम विस्फोट

कराची। (एजेंसी)।

दक्षिण पश्चिमी पाकिस्तान के अशांत शहर क्वेटा में एक आलीशान होटल के पार्किंग इलाके में हुए भीषण बम विस्फोट में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और 12 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी और उन खबरों को खारिज कर दिया कि विस्फोट के वक्त इमारत में चीनी प्रतिनिधिमंडल मौजूद था। यह विस्फोट बुधवार की रात क्वेटा के सेरेना होटल के पार्किंग क्षेत्र में हुआ। विस्फोट के बाद पार्किंग में खड़े कुछ वाहनों में आग लग गई थी। कुछ शुरुआती खबरों में कहा गया था कि होटल में चीनी राजदूतमौजूद थे। क्वेटा पाकिस्तान के बलोचिस्तान प्रांत की राजधानी है। पुलिस के मुताबिक, शुरुआती जांच में पता चला कि एक कार के भीतर रखी विस्फोटक सामग्री में धमाका हो गया। बम निष्क्रिय करने वाले दस्ते के मुताबिक, धमाके में 40 से 50 किलोग्राम विस्फोटक का इस्तेमाल किया गया था। दमकल की एक गाड़ी आग बुझाने के लिए तत्काल मौके पर पहुंची। दमकल कर्मी आग पर काबू पाने में सफल रहे और अब जगह को ठंडी करने की प्रक्रिया जारी है।

भीषण विस्फोट की आवाज कई किलोमीटर दूर तक सुनी गई। विस्फोट के असर से पास की बलोचिस्तान असेंबली, उच्च न्यायालय और अन्य इमारतों की खिड़कियां टूट गईं। प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने विस्फोट की जिम्मेदारी ली है। टीटीपी के एक प्रवक्ता ने कहा, ÷हमारे आत्मघाती हमलावर ने विस्फोटक से भरी अपनी कार का होटल में इस्तेमाल किया।÷ हालांकि, पुलिस का कहना है कि शुरुआती जांच में सामने आया कि विस्फोटक सामग्री को होटल के पार्किंग में खड़ी एक कार में रखा गया था।. बलोचिस्तान के महानिरीक्षक (आईजी) मुहम्मद ताहिर राय ने कहा कि पुलिस अब भी विस्फोट की तीव्रता का आकलन कर रही है। एक सवाल पर उन्होंने कहा कि विस्फोट के वक्त कोई भी राजदूत या विदेशी प्रतिनिधिमंडल का सदस्य होटल में नहीं था।

इंडोनेशिया में 53 लोगों के साथ गायब हुई एक पनडुब्बी, गहरे समुद्र में समाने की आशंका

जकार्ता। इंडोनेशियाई नौसेना ने बृहस्पतिवार को अपनी लापता पनडुब्बी की गहन तलाश जारी रखी जिसके गहरे समुद्र में समाने की आशंका है और इसमें सवार 53 लोगों के जिंदा होने की संभावना क्षीण होती जा रही है। इस जटिल तलाश अभियान में पड़ोसी देश भी मदद को आगे आए हैं और अपने बचाव पोतों को इलाके में भेजा है। उल्लेखनीय है कि डीजल चालित 'केआरआई नांगला 402' पनडुब्बी बुधवार को उस समय लापता हो गई जब यह प्रशिक्षण अभ्यास पर थी। अधिकारियों ने बताया कि बाली द्वीप से 96 किलोमीटर उत्तर में जिस स्थान पर आखिरी समय पनडुब्बी ने पानी में गोता लगाया था, वहां तेल का रिसाव और डीजल की गंध मिली है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि इस तेल का संबंध लापता पनडुब्बी से ही है। इंडोनेशियाई नौसेना ने कहा कि उसे लगता है कि यह पनडुब्बी 600 से 700 मीटर की गहराई में डूबी है जो 200 मीटर गहराई के पूर्व के अनुमान से अधिक है। दक्षिण कोरियाई कंपनी 'देउ शिपबिल्डिंग ऐंड मरीन इंजीनियरिंग' के अधिकारी गुक हेयाने ने कहा कि अधिकतर पनडुब्बी 200 मीटर से अधिक गहराई पर जाने पर दबाव की वजह से नष्ट जाती हैं। उन्होंने कहा कि उनकी कंपनी ने इंडेनेशियाई पनडुब्बी के आंतरिक ढांचे एवं प्रणाली को अद्यतन किया था लेकिन अब उसके बारे में सूचना नहीं है क्योंकि यह पिछले नौ साल से उससे नहीं जुड़ी थी। ऑस्ट्रेलिया के पनडुब्बी संस्थान के सचिव फ्रैंक ओवन ने अनुमान व्यक्त किया कि पनडुब्बी बचाव दल के अभियान से कहीं अधिक गहराई में चली गई है। उन्होंने कहा, ''अधिकतर बचाव प्रणाली केवल 600 मीटर तक की गहराई पर काम करने के लिए है। वे उससे गहरे जा सकते हैं क्योंकि उनके डिजाइन में सुरक्षा के अतिरिक्त उपाय होते हैं लेकिन वे उसे पंप नहीं कर सकते और उससे जुड़ी अन्य प्रणालियों को चला नहीं सकते क्योंकि उनके परिचालन की क्षमता इतनी गहराई पर नहीं होती। वे गहराई में जिंदा रह सकते हैं लेकिन जरूरी नहीं कि पनडुब्बी का परिचालन कर सकें।'' इस बीच, सिंगापुर और मलेशिया के बचाव पोतों के शनिवार तक क्षेत्र में पहुंचने की उम्मीद है।

कांग्रेस के नेता मनीष तिवारी ने अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन को लिखा पत्र, उठाया यह बड़ा मुद्दा

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मनीष तिवारी ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन को पत्र लिखकर अमेरिका में सिखों के खिलाफ बढ़ते नस्ली घृणा से प्रेरित अपराधों को लेकर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि पिछले हफ्ते इंडियानापोलिस में हुई गोलीबारी की गूंज भारत में और प्रवासी समुदाय दोनों में सुनी गई। इंडियानापोलिस में फेडेक्स केंद्र पर हुई सामूहिक गोलीबारी में चार सिखों समेत आठ लोगों की मौत हो गई थी। इनमें से तीन सिख महिलाएं थी। तिवारी ने बाइडन को लिखे पत्र में कहा, 'हम एक तरफ नृशंस रूप से किए गए 9/11 के हमले की 20वीं बरसी की तरफ बढ़ रहे हैं, वहीं यह अफसोसजनक है। लेकिन मुद्दा उठाना जरूरी है क्योंकि उस त्रासदी के बाद नस्ली घृणा से प्रेरित अपराध बढ़े हैं जिनमें सिख समुदाय को निशाना बनाया जा रहा है।'

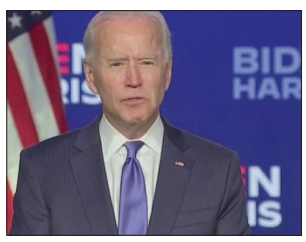

यह पत्र व्हाइट हाउस को बुधवार को प्राप्त हुआ। कांग्रेस नेता ने इंडियानापोलिस के 'भयावह और नृशंस' त्रासदी के पीड़ित परिवारों के प्रति 'गहरी संवेदनाएं' व्यक्त की हैं। उन्होंने कहा, 'मैं भारतीय संसद में श्री आनंदपुर साहिब निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करता हूं। यह निर्वाचन क्षेत्र भारत के उत्तर पश्चिम क्षेत्र के पंजाब राज्य में स्थित है। पंजाब दुनिया भर में रहने वाले सिखों का प्राकृतिक एवं आध्यात्मिक घर है।' कांग्रेस नेता ने लिखा, ÷इंडियानापोलिस की दुर्भाग्यपूर्ण घटना की गूंज भारत और प्रवासी सिख समुदाय दोनों के बीच सुनी गई। यह त्रासदी मेरे लिए भी निजी है क्योंकि श्री आनंदपुर साहिब ही वह स्थान है जहां13 अप्रैल 1699 को खालसा पंथ की स्थापना की गई थी।

अमेरिकी संसदीय समिति ने चीन स्ट्रेटिजिक कॉम्पटीशन बिल को दी मंजूरी, जानें भारत के लिए क्यों है खास

नई दिल्ली। अमेरिका के सीनेट की एक शक्तिशाली समिति ने चीन स्ट्रेटिजिक कॉम्पटीशन बिल को जोरदार समर्थन करते हुए उसे मंजूरी दी है। यह भारत के लिए अहम है क्योंकि इसमें क्वाड समूह को समर्थन देने के साथ अन्य बातों तथा भारत के साथ सुरक्षा संबंधों को बढ़ाने का समर्थन किया गया है। चतुर्पक्षीय सुरक्षा संवाद के तौर पर जाना जाने वाले क्वाड समूह में अमेरिका, भारत, ऑस्ट्रेलिया और जापान शामिल है। वर्ष 2007 में इसकी स्थापना के बाद से चार सदस्य राष्ट्रों के प्रतिनिधि समय-समय पर मिल रहे हैं। चार देशों के शीर्ष नेताओं ने पिछले महीने राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा आयोजित ऐतिहासिक शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया था। सीनेट की विदेश संबंध समिति ने तीन घंटे की चर्चा और कई संशोधनों के साथ सामरिक प्रतिस्पर्धा अधिनियम को बुधवार को 21 मतों के साथ मंजूरी दी। इस द्विपक्षीय विधेयक के मुताबिक अमेरिका भारत के साथ व्यापक वैश्विक सामरिक साझेदार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की तस्दीक करता है और देश के साथ द्विपक्षीय रक्षा विमर्शों एवं सहयोग को और मजबूत करता है। इसने अमेरिकी सरकार से अपील की कि वे भारत के साथ करीब से विचार-विमर्श कर ऐसे क्षेत्रों की पहचान करे जहां वह क्षेत्र में चीन के कारण उत्पन्न आर्थिक एवं सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के भारत के प्रयासों में कूटनीतिक एवं अन्य सहायता दे सके।

संपादकीय

पृथ्वी दिवस पर इस ग्रह की देखभाल करें और आध्यात्मिक रूप से विकसित हो : संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

पृथ्वी दिवस हम सबके लिए पृथ्वी के प्रति आभार व्यक्त करने का दिन है क्योंकि यह हमें जीवन जीने के लिए कई प्रकार के प्राकृतिक संसाधनों को

उपलब्ध करती है। यह सभी संसाधन न सिर्फ हमारे लिए बल्कि हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए भी मूल्यवान है, इसलिए हम सभी को चाहिए कि इन

सभी संसाधनों का प्रयोग हम बहुत ही सावधानी से करें। इन संसाधनों का सदुपयोग करने और पृथ्वी का सम्मान करने के लिए हमें अहिंसा का रास्ता अपनाना होगा, जिसमें कि हम इस पृथ्वी पर रहने वाले सभी जीवों और प्राकृतिक संसाधनों से प्रेमपूर्वक व्यवहार करते हैं। इसमें इंसानों से लेकर जानवरों और पौधों तक सभी शामिल हैं। सिर्फ यह सोचकरही हमे खुशी मिलती है कि इस विषाल अंतरीक्ष में यह ग्रह पिता-परमेष्वर का बनाया एक खूबसूरत रत्न है, जिसमें हम सब इस परिवार के एक सदस्य हैं। इसलिए हमें ऐसे कार्य करने चाहियें जिसमें कि हम एक-दूसरे की मदद करते हुए प्रेम और शांतिपूर्वक जी सकें।

इस ग्रह पर रहते हुए हम स्वस्थ तरीके से अपना जीवन यापन करें, ताकि हमारे परिवार और पूरे विष्व के लिए वर्त मान में और आने वाले समय में भी पर्याप्त संसाधन उपलब्ध हों।

इसके लिए हमे चाहिये कि हम इस ग्रह की देखभाल करते हुए शारीरिक, मानसिक और आत्मिक तौर पर विकसित हों। जिसके लिए हमें एक शाकाहारी जीवन शैली को अपनाना होगा और साथ ही साथ अपनी आत्मिक तरक्की के लिए अपने जीवन में हमें सद्गुणों को भी धारण करना होगा। जिसमें कि हम दूसरों की सेवा करते हुए ध्यान-अभ्यास के जरिये अपने अंतर में प्रभु-सत्ता से जुड़कर आध्यात्मिक रूप से विकसित हो सकते हैं। दूसरों की सेवा करना और मिल-जुलकर रहना आध्यात्मिकता का ही एक हिस्सा है। दूसरों के साथ मिलकर रहना और इस पृथ्वी की रक्षा करना हम सबकी जिम्मेदारी है क्योंकि इस सृष्टि के कण-कण में परमात्मा विद्यमान हैं। आईये, आध्यात्मिक रूप से बढ़ते हुए हम इस ग्रह, पेड़-पौधों, जानवर और इंसानों की देखभाल करते हुए हम पृथ्वी दिवस मनायें और पृथ्वी द्वारा दिये गए बहुमूल्य उपहारों का सर्वो त्तम उपयोग करें।

आज के ट्वीट

किसान आंदोलन

कुम्भ का विसर्जन हो गया। बंगाल में बड़ी रैलियाँ खत्म कर दी गईं। पर दिल्ली की सीमाओं पर किसान आंदोलन को और तेज करने की तैयारी है। ऐसा क्यों? कोरोना की दूसरी लहर के क़हर के मद्देनज़र तो कम से कम किसानों को अब इकट्ठा न करें। -- पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ

सामाजिक दृष्टि से जरूरी छोटी बचतों को संरक्षण

सुबीर रॉय

एक समाचारपत्र के प्रबंधन विभाग में मेरे पुराने साथी से कुछ समय पहले फोन पर बात हुई। वे इस बात को लेकर क्षुब्ध थे कि छोटी बचत योजनाओं पर सरकार ने एक बार फिर से ब्याज घटा दिया है। इससे कर्मचारी भविष्य निधि खाता, जहां उनकी अधिकांश पूंजी जमा है, उस पर मिलने वाले ब्याज पर असर होना स्वाभाविक है। जिंदगी भर निजी क्षेत्र में काम करते रहे किसी इनसान के लिए तो ब्याज के रूप में आने वाली यह आमदनी ही पेंशन होती है, क्योंकि सेवानिवृत्त सरकारी कर्मी जैसी बाकायदा पेंशन सुविधा जो नसीब नहीं है। सहानुभूति दिखाने के अलावा मैं उनके लिए कुछ कर भी नहीं सकता था। कुछ दिन पहले, जब ब्याज दरें एक बार फिर से कम की गईं (हालांकि एक दिन के भीतर ही निर्णय वापस हुआ) तो मुझे उनका फोन दुबारा आने की आस थी। उन भलेमानस की दयनीयता और सरकार द्वारा मारी पलटी का भारत के मध्य वर्ग की नाजुक स्थिति पर सरकारी फैसलों का असर किस कदर गहरा होता है, इस ओर ध्यान खींचा है। भले ही इस मध्य वर्ग के पास राजनीतिक रूप से महत्वपूर्व वैसा वोट-बैंक वाला संख्या बल नहीं है जैसा इससे नीचे वाले आर्थिक रूप से और भी कमजोर तबके के पास है, लेकिन जनता के रुख की नब्ज क्या है, उसे तय करने में मध्य वर्ग काफी भूमिका रखता है। एक सेवानिवृत्त इनसान के लिए ब्याज रूपी आमदनी में कमी होने से बड़ी कड़वाहट और कोई नहीं हो सकती, वह भी ऐसे वक्त जब रोजमर्रा की वस्तुओं के दाम फिर से ऊपर उठने लगें। लघु बचत योजनाएं - जैसे कि डाकघर बचत खाता, बचत पत्र और सामाजिक सुरक्षा योजनाएं जैसे कि कर्मचारी निधि और वरिष्ठ नागरिक बचत योजनाएं - घरेलू बचत का महत्वपूर्ण स्रोत हैं। तमाम लघु बचत योजनाओं की मार्फत इकट्ठा हुए धन का इस्तेमाल केंद्र और राज्य सरकारें अपने वित्तीय घाटे को पूरा करने में करती हैं। जो कुछ बच जाता है, उसे सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश कर दिया जाता है। हालांकि प्रथम दृष्टया सरकार के वित्तीय प्रबंधन प्रशासकों द्वारा ब्याज दर में कमी करने वाली सलाह को गलत ठहराना भी ठीक नहीं होगा। वित्तीय घाटा सूचकांक, जो किसी भी सरकार के वित्तीय स्थायित्व का पहला संकेत होता है, जब वह लॉकडाउन और उससे पहले बनी आर्थिक मंदी की वजह से काफी ऊपर चला गया तो उसे कम करके नियंत्रण वाली स्थिति में बनाना ही होगा। इसका एक कारगर तरीका यह होता कि सरकार द्वारा उठाए कर्ज पर सूद को कम किया जाए और इसके लिए जरूरी है बैंकों की समूची ब्याज दर तालिका को कम किया जाए। किंतु यहां आवश्यक है कि ब्याज की वंशावली में, जैसे कि सरकार द्वारा जारी किए गए दीर्घकालीन बॉन्ड्स से लेकर बैंकों द्वारा बचत खातों पर दिए जाने वाले ब्याज तक नाना प्रकार की बचत योजनाओं में लघु बचतों पर मिलने वाली ब्याज दरों को अलग श्रेणी में रखते। क्योंकि अगर बचत की सभी श्रेणियों पर सूद की दर नीचे की जाएगी तो लघु बचत पर मिलने वाली ब्याज दर भी नीचे आना अवश्यंभावी है। यहां एक सोच यह भी बताई जाती है कि अगर लघु बचत पर दिए जाने वाले ब्याज को अन्य से अलहदा रखें यानी बाकी बचत योजनाओं से ज्यादा रहे तो फिर बैंकों में रखे पैसे का प्रवाह लघु बचत की ओर मुड़ने लगेगा। इससे बैंकों के लिए ऊंचे स्तर पर वाणिज्यिक कर्ज उठाने वालों को देने के लिए पैसा देना मुश्किल हो जाएगा। इसका आगे असर यह होगा कि सरकार को बड़े उद्योग-धंधों से मिलने वाली कराधान आमदनी में कमी हो जाएगी, लिहाजा आर्थिक घाटा कम रखने के प्रयास सिरे नहीं चढ़ पाएंगे, यूं हम घूम-फिरकर वहीं आन पहुंचेंगे, जहां से शुरू किया था। लेकिन यह भी उतना ही सही है कि अगर सरकार आज लघु बचत योजनाओं पर ब्याज दर घटाती है तो अपने लिए मुसीबत मोल लेती है क्योंकि इसका राजनीतिक प्रभाव नकारात्मक होगा। वह भी ऐसे वक्त पर जब मुद्रास्फीति फिर से ऊपर जाने लगी है। फरवरी के आंकड़े बताते हैं कि उपभोक्ता मूल्य और खाद्य पदार्थ मूल्य सूचकांक पुनः ऊपर की ओर जा रहे हैं। इससे पहले वाले महीनों में जब यह नीचे गिरे थे तो उम्मीद बंधी थी कि हमने 2020 के दौरान ज्यादातर समय ऊंची रही मुद्रास्फीति वाला वक्त पीछे छोड़ दिया है। इसलिए सरकार के लिए दुविधा यह है कि अगर वह खुद द्वारा उठाए ऋण पर सूद का खर्च कम करके देश की आर्थिकी को पुनः गति देने का उपाय अपनाती है तो इसके लिए तमाम ब्याज योजनाओं की दर नीचे करनी पड़ती है और लघु बचत योजनाएं भी इसी में आती हैं। लेकिन जब इन्हीं लघु बचत योजनाओं पर ब्याज कम मिले, खासकर चुनावी मौसम में, तो नाराज हुए मध्य वर्ग (सेवानिवृत्त लोग जिसका अंग हैं) की वोटें हाथ से खिसकने का सबब बन जाता है। जो एक बात सीखने की जरूरत है वह यह कि सरकार ढर्रे के उपाय करने की बजाय नयी संभावनाएं तलाशे। बेशक वित्तीय घाटा सूचकांक का ख्याल रखना बहुत महत्वपूर्ण होता है, किंतु इससे ज्यादा अहम है सम्पूर्ण आर्थिकी को फिर से खड़ा करने की जरूरत। एक बार यह होना शुरू हो जाए यानी बैंकों द्वारा वहन योग्य सूद पर दिए जाने वाले कर्ज में इजाफा होने से सभी प्रकार की आर्थिक गतिविधियों में प्रसार होगा, जिससे आगे सरकार को कर से मिलने वाली आमदनी में बढ़ोतरी होगी। इस तरह पिछले कुछ समय के अंतराल के बाद वित्तीय घाटा पूरा करने के उपाय राह पकड़ लेंगे। साफ है कि बैंकों द्वारा दिए जाने वाले कर्ज पर ब्याज दर या तो कम रखी जाए या नीचे ही बनी रहे। लेकिन ठीक इसी वक्त, आर्थिक तर्क और राजनीतिक मजबूरियों की दृष्टि से भी, लघु बचत योजनाओं की ब्याज दरों से छेड़छाड़ करना समझदारी नहीं होगी। यह इसलिए भी जरूरी है क्योंकि सेवानिवृत्त पेंशनभोगी अपने वजूद के लिए लघु बचत से मिलने वाली इसी आमदनी पर निर्भर होते हैं। हमारा तर्क यह है कि शेष बचत अथवा कर्ज योजनाओं पर घटते ब्याज दर वाले माहौल में भी लघु बचत योजनाओं पर मिलने वाले सूद को कम न किया जाए। बेशक लगे कि ऐसा करने से यह योजना विशेष बैंकों की अन्य बचत योजनाओं से अधिक आकर्षक बन जाएगी, किंतु इसका यह मतलब नहीं है कि लोगबाग अन्य बचतों में रखे पैसे का रुख लघु बचत की ओर करने को उमड़ेंगे, क्योंकि अक्सर लघु बचत की अवधि दीर्घकालिक होती है, जिसे कोई व्यक्ति काफी सोच-समझ के बाद चुनता है। यही कारण है कि बैंक के दो अन्य लोकप्रिय खाते यानी चालू एवं आम बचत खाता, इनमें धन में कमी आई है क्योंकि अक्सर यह वह नकदी होती है, जिसे लोगबाग अपने रोजमर्रा का खर्च-धंधा चलाने को इस्तेमाल करते हैं। चूंकि सावधि बचत योजनाओं को समय-पूर्व तोड़ने पर ब्याज दर में कटौती स्वयमेव होने से घाटा होता है, इसलिए सेवानिवृत्त लोग ही इसका ज्यादा इस्तेमाल करते हैं। कुल मिलाकर सेवानिवृत्त लोगों की भलाई की खातिर यह कहना न्यायोचित होगा कि वे अपना ध्यान रखने लायक यथेष्ट रूप से समर्थ बने रहें, इसलिए कोशिश हो कि सेवानिवृत्ति उपरांत आमदनी में किसी वजह से कमी न आने पाए, ठीक वैसे ही जैसे नागरिकों की बुनियादी स्वास्थ्य सुविधा और उच्चतर विद्यालय तक शिक्षा को बतौर सामाजिक सुरक्षा ध्येय अपनाया गया है अर्थात जरूरतमंद नागरिकों के लिए यह सुविधाएं मुफ्त रहें और सरकार खर्च उठाए। कायदे से तो आर्थिक रूप से सेवानिवृत्त हो चुके आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को हाथ में आने वाली नकदी या पेंशन, जो भी कहें, वह सरकार की ओर से मिलनी चाहिए। अत- लब्बोलुआब यह कि मध्य वर्ग के सेवानिवृत्तों की पेंशन या बचत संबंधी आमदनी से छेड़छाड़ नहीं होनी चाहिए।

लेखक आर्थिक मामलों के वरिष्ठ विश्लेषक हैं।

जीवन की आपाधापी में कहीं विलुप्त न हो जाए समाज सेवा: अतुल मलिकराम

देश-दुनिया आधुनिकता को अपनाने का सपना लिए मीलों का सफर तय कर चुकी है और आगे चलना अभी-भी बाकि ही है। लेकिन जीवन की इस दौड़-भाग में हम कहीं न कहीं अपने कर्तव्यों, आध्यात्म, अन्य प्राणियों की सेवा को बहुत पीछे छोड़ आए हैं। इतना पीछे कि अब तो उस कर्त्तव्यनिष्ठा की धुंध भी नजर नहीं आती है। दूसरों से खुद को आगे देखने की इच्छा हमसे हमारा सब कुछ छीने जा रही है। हम कहाँ भागे जा रहे हैं? हम अपनी जिंदगी को पीछे छोड़ आगे आखिर क्या हासिल करने जा रहे हैं? क्या पैसा कमाना ही हमारे जीवन का एकमात्र उद्देश्य रह गया है? हम क्यों हमेशा अपने से ऊपर वाले को ही देखते हैं? हमें क्यों अपने से नीचे वाले व्यक्ति नजर नहीं आते है? क्या आपने कभी रुक कर इन सवालों के जवाब जानने की कोशिश मात्र भी की है?

अतुल मलिकराम के अनुसार हम इस बात से भलीभांति परिचित हैं कि अपने जीवन की बागडोर सँभालने के साथ ही दान, धर्म, सेवा, आध्यात्म और मानवता जैसे अनेक कर्तव्यों के तले एक व्यक्ति अपने जीवन का ताना-बाना बुनता है। लेकिन हम तो इसका एक कतरा मात्र भी नहीं संजो पाए हैं। पैसे कमाने की होड़ में हम इस ज्ञान को भी भूल चले हैं कि अंत में हमारे साथ पैसा नहीं जाएगा, बल्कि हमारे द्वारा किए गए अच्छे-बुरे कर्म जाएंगे। यह अटल सत्य है कि हम यहाँ से धूल का एक कण भी अपने साथ नहीं ले जा पाएंगे। इसलिए 50 से 55 वर्ष की आयु के बाद अपने काम से रिटायरमेंट लेकर स्वयं को समाज सेवा के लिए अग्रसर करें। मैंने इस ओर कदम बढ़ा लिए हैं। उम्मीद करता हूँ, आप भी इसकी महत्ता को समझेंगे और नई पीढ़ी को भी इसकी भीनी खुशबू से सुगन्धित करेंगे। अपने जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष नेक कार्यों में लगाएं।

जिस गति से हम आगे को बढ़ रहे हैं, अब रुकना तो संभव नहीं है, लेकिन अपने कर्तव्यों के प्रति तो हम वफादार हो ही सकते हैं। ऐसे कई कार्य, कई लोग, कई प्राणी हैं, जिन्हें हमारी बेहद आवश्यकता है। ऐसे कई उदाहरण हम अपनी दिनचर्या में देखकर भी अनदेखा कर देते हैं। सड़कों पर बैठे हजारों लाचार और मजबूर लोगों को एक समय का भर पेट भोजन भी नसीब नहीं होता है। गर्मी के मौसम में हजारों पशु-पक्षी पानी की एक बूँद को तरस जाते हैं और वह प्यास कारण बन जाती है उन्हें मौत के घाट उतारने का। माता-पिता की गोद से वंचित देश में लाखों अनाथ बच्चे हर दिन भूख से तड़पते हैं, किसी ऐसे व्यक्ति का साथ चाहते हैं, जो उनके सिर पर प्यार से हाथ रख दे। पूरा जीवन अपने बच्चों का लाड़ से पालन-पोषण करने वाले माता-पिता अपने जीवन के आखिरी पड़ाव में सुख-शांति की आस बांधे रहते हैं, लेकिन विपरीत परिणाम के चलते लाखों बुजुर्ग वृद्धाश्रम में अपने अंतिम दिन गुजारने को मजबूर हैं। आप जिस भी तरह से इनकी सेवा कर सकते हैं, जरूर करें। यदि देश का हर एक व्यक्ति समाज सेवा का प्रण ले ले, तो इसका परिणाम यह होगा कि आने वाले समय में कोई प्राणी भूखा नहीं सोएगा। हर बच्चे को माता-पिता और हर माता-पिता को बच्चों का सुख प्राप्त हो जाएगा। हर धर्म भी यही कहता है कि समाज सेवा ही मानव सेवा है। इसलिए उम्र के सबसे महत्तम पड़ाव में अपने काम से रिटायरमेंट लेकर यह महत्वपूर्ण समय समाज सेवा में लगाएं, फिर देखें कैसी अद्भुत शान्ति आपकी अंतरात्मा को मिलती है।

आज का राशिफल

मेष पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। मादक वस्तुओं का प्रयोग न करें। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

वृषभ व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होंगे। रचनात्मक प्रयास लाभप्रद होंगे। घर के मुखिया या संबंधित अधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्च पर नियंत्रण रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें।

मिथुन दाम्पत्य जीवन में तनाव आ सकते हैं। कुछ व्यावसायिक समस्याएं आ सकती हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। निजी संबंधों के मामले में अतृप्त महसूस करेंगे।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

सिंह जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा।

कन्या सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजनाओं में कठिनता का अनुभव कर सकते हैं। विरोधी परास्त होंगे।

तुला पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। जारी प्रयास सफल होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें, इससे विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

धनु आर्थिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाग्य वश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन में व्यर्थ के तनाव आ सकते हैं। किसी रिश्तेदार के कारण स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। क्रोध में वृद्धि होगी। रिश्तों में सुधार हो सकता है। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

कोरोना की ऐसी भयावह वापसी के लिए कौन जिम्मेदार

सुरेन्द्र कुमार किशोरी

आज कोरोना महामारी अपने विकराल रूप में सबके सामने है। लोग मर रहे हैं, परिवार के सदस्य परिजनों को खोने के गम में पथराई आंखों से शून्य में निहार रहे हैं। श्मशान में शवदाह की अग्नि जल रही है, श्मशान की भयावहता को देख आमजन की रुह कांपे नहीं, इसलिए श्मशान की दीवारें ऊंची की जा रही है, नए-नए कब्रिस्तान तैयार किये जा रहे हैं। पिछले साल यह स्थिति अमेरिका, इटली तथा अन्य दूसरे देश में हुई थी, तब हम इसे लेकर गंभीर नहीं थे। हम उस समय यह समझ नहीं पाए कि मौजूदा दौर में भारत में सक्रिय कोरोना का स्ट्रेन बेहद कमजोर है, इसलिए इतना पैनिक नहीं है। लेकिन आज के समय में अपने देश में सक्रिय स्ट्रेन म्यूटेशन के पश्चात काफी स्ट्रांग हो चुका है तो इसके कारण मोर्टेलिटी रेट काफी बढ़ता जा रहा है। हमारे पास सालभर का समय था, लेकिन हम संभले नहीं तो अब भुगतने की बारी भी तो हम ही लोगों की है। आज स्थिति क्या है, कोविड पीड़ित अस्पताल में बेड के लिए जूझ रहे हैं। रेमिडिसिवर जैसी जीवन रक्षक दवाई की उपलब्धता के लिए जूझ रहे हैं। वेंटिलेटर तो तब दूर की कौड़ी नजर आती है जब कोविड पीड़ित अस्पतालों में ऑक्सीजन गैस की कमी से जूझते हुए दिखाई देते हैं। एनएमसीएच पटना के अधीक्षक डॉ. विनोद कुमार सिंह को ऑक्सीजन की कमी के कारण व्यथित होकर अपने पद से इस्तीफा की पेशकश करनी पड़ी। आखिर इस स्थिति में सिस्टम के फेल्योर के लिए जिम्मेदार कौन है। आखिर महामारी एक्ट के लागू होने के बाद महामारी पीड़ितों के लिए स्वास्थ्य सुविधा बहाल रखने की जिम्मेदारी किसकी है। पिछले साल जब कोरोना का प्रथम लहर कमजोर पड़ गया था, तो कोरोना नियंत्रण को लेकर लोग पीठ थपथपा रहे थे। उसी दौरान चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े वैज्ञानिकों ने निकट भविष्य में दूसरी लहर की चेतावनी दी थी। सरकार के पास प्रथम लहर का मुकम्मल ब्लू प्रिंट था और उस ब्लू प्रिंट के सहारे दूसरी लहर से निपटने की योजना बनाने के लिए तकरीबन छह महीने का समय। लेकिन शायद सरकार ने यह समझ लिया कि जिस तरह से प्रथम लहर में इंसानी जान की व्यापक क्षति नहीं हुई, उसी तरह से दूसरी लहर को भी भारत झेल लेगा। ऊपर से वैक्सीन का आ जाना सरकार और आम लोगों की निश्चिंतता को बढ़ाने वाली थी। सरकार ने वैक्सीन के बारे में कुछ इस तरह से प्रचार किया कि आम लोग के समझ में यह बात बैठ गयी कि वैक्सीन के आ जाने भर से ही कोरोना से अब उसका कुछ बिगड़ नहीं सकता है। परिणाम आम लोग संयम और सतर्कता तथा मास्क और व्यक्तिगत स्वच्छता से कन्नी काटने लगे तथा सरकार चुनावी राजनीति में व्यस्त हो गई। यहीं सबसे बड़ी चूक हुई है, जिसका खामियाजा अब भारत भुगत रहा है, यह चूक ही इस कोरोना काल में सबसे बड़ा काला अध्याय है। सामाजिक और समसामयिक मुद्दों को लेकर मुखरता से अपनी बात कहने-लिखने वाले डॉ. अभिषेक कुमार कहते हैं कि साल भर का समय मिलने के बावजूद सरकार द्वारा ऑक्सीजन जैसी जीवन रक्षक गैस की उत्पादकता और उपलब्धता सुनिश्चित क्यों नहीं कि गई। पीएम केयर फंड में जमा राशि से खरीदे गए वेंटिलेटर की उपलब्धता आम जनों के लिए हितकर साबित क्यों नहीं हो रही है। कल तक तो हम लैब की क्षमता को लेकर अपनी पीठ थपथपा रहे थे, लेकिन आज हालात ऐसी है कि आरटी-पीसीआर रिपोर्ट के लिए छह से आठ दिन का समय लग रहा है। आरटी-पीसीआर रिपोर्ट नहीं रहने पर मरीज को हॉस्पिटल एडमिट नहीं कर रहा है। तब तक मरीजों का क्या होगा, होम आइसोलेशन के नाम पर मरीजों को समय पर चिकित्सीय परामर्श उपलब्ध नहीं करवाकर कम्प्यूटर सिस्टम से संवाद करवाया जा रहा है। जोखिम क्षेत्र (कंटोनमेंट जोन) में आवश्यक खाद्य पदार्थ और दवाई की उपलब्धता के लिए किसी प्रतिनिधि की नियुक्ति क्यों नहीं कि जा रही है। क्या कंटोनमेंट जोन में होम आइसोलेशन में रह रहे संक्रमित व्यक्ति खुद बाजार जाएं, सिस्टम के इस फेल्योर के लिए जिम्मेदार कौन है। यह जिम्मेदारी तो उसी की बनेगी जो कल तक कमजोर कोरोना स्ट्रेन को नियंत्रित कर लेने का दावा कर अपनी पीठ थपथपा रहे थे। इसके अतिरिक्त हम आम जन भी जिम्मेदार हैं, आज की भयावह स्थिति के लिए। हम भी तो संयमित नहीं रहे, सतर्क और जागरूक बने रहने की तो बात तो बहुत दूर की कौड़ी है। कोरोना के प्रथम लहर के दौरान हम बहुत हद तक संयमित थे, भीड़-भाड़ वाले जगहों से परहेज कर रहे थे, अनावश्यक यात्रा से बच रहे थे, मास्क और सेनिटाइजर के उपयोग के प्रति सतर्क थे, कोरोना के प्रति चेतनशील और जागरूक थे। हम काढ़ा पीते थे, योगा करते थे, हमारे अंदर डर था, लेकिन जैसे ही वैक्सीन आई कि हमारा डर काफूर हो गया और खुद को सुपरमैन समझने लगे। बेखौफ होकर कहीं की भी यात्रा पर निकलने लगे, कहीं भी अनावश्यक भीड़ का हिस्सा बनने लगे, मास्क और सेनिटाइजर से नाता तोड़ लिया। परिणाम हम खुद भी संक्रमित होने लगे और सुपर स्प्रेडर बनकर दूसरों को भी संक्रमित करने लगे। काश कि हम आम जन कोरोना को गंभीरता से लेते और अपने स्वास्थ्य के प्रति चेतनशील बने रहते तो आज स्थिति इतनी भयावह नहीं होती। लाशों का अंबार नहीं लगता। अभी भी वक्त हाथ से फिसला नहीं है, हम गिरे जरूर हैं, लेकिन हमारे अंदर संभलने का मद्दा भी पर्याप्त है। जरूरत है फिर से सोच को सकारात्मक रखकर अपनी समस्त ताकत के साथ इस अदृश्य दुश्मन से दो-दो हाथ करने की। लेकिन ध्यान यह भी रखना है कि हमारे हाथ में शस्त्र के रूप में अब भी मास्क और सेनिटाइजर ही है। वैक्सीन रूपी कवच का साथ भी है। (लेखक हिन्दुस्थान समाचार से जुड़े हैं।)

उम्रदराज लोगों को होता है ऑस्टियोपोरोसिस

अक्सर उम्रदराज लोगों को आपने जोड़ों के दर्द की शिकायत करते सुना होगा, हड्डियों में तकलीफ की समस्या भी आम होती है। वृद्धों की इस आम समस्या को ऑस्टियोपोरोसिस कहा जाता है। इस बीमारी के रोगियों में रजोनिवृति (मेनोपॉज) प्राप्त महिलाओं और उम्रदराज लोगों की संख्या ही ज्यादा होती है। एक अनुमान के मुताबिक दुनिया में लगभग दस करोड़ लोग इस बीमारी से पीड़ित हैं। केवल भारत में इसके रोगियों की संख्या लगभग छह करोड़ दस लाख है, जिसमें 60-70 प्रतिशत महिलाएं हैं। पुरुषों को इस रोग का खतरा चालीस वर्ष की उम्र से तो महिलाओं को लगभग पैंतीस वर्ष की उम्र से होता है।

इस बीमारी में हड्डियां भुरभरी हो जाती हैं। साथ ही हड्डियों के ऊतकों का घनत्व कम हो जाता है, इस कारण किसी भी झटके से उनके टूटने की आशंका बढ़ जाती है।

उम्र का बढ़ना और कैल्शियम की कमी ऑस्टियोपोरोसिस को आमंत्रित करने वाले मुख्य कारण हैं। कैल्शियम हमारी हड्डियों को मजबूती प्रदान करता है, इसकी कमी से हड्डियां कमजोर पड़ जाती हैं और उनके टूटने की दर बढ़ जाती है। रजोनिवृति के बाद महिलाओं में एस्ट्रोजन हारमोन की कमी के कारण इस रोग की संभावनाएं बढ़ जाती हैं।

नीचे झुकने या सामान्य अवस्था में कमर दर्द होना और झुकने से कद कम होना इस बीमारी के सामान्य लक्षण हैं। इस बीमारी से अक्सर रीढ़ की हड्डी में भी विकृति आ जाती है, अतः रीढ़ की हड्डी में थोड़े से भी परिवर्तन को हल्के तौर पर ना लें। रोजमर्रा के काम जैसे कुछ चीज उठाने के लिए नीचे झुकने, बिस्तर बिछाने के लिए नीचे झुकने या किसी हल्के झटके जैसे बस या आटो रिक्शा की पिछली सीट पर लगे झटके से हड्डियों में बार-बार होने वाला फ्रैक्चर भी ऑस्टियोपोरोसिस की निशानी है।

यों तो सम्पूर्ण शरीर की हड्डियां इससे प्रभावित होती हैं। परन्तु सामान्य रूप से कूल्हे, कलाई और रीढ़ की हड्डियां ही इस रोग की मुख्य शिकार होती हैं। इसके परिणाम इस कदर भयंकर हो सकते हैं कि रीढ़ की हड्डी टूटने से कंधे झुक सकते हैं और कद छह इंच तक कम हो सकता है। कूल्हे का फ्रैक्चर होने की स्थित मिं अक्सर शल्य चिकित्सा के लिए अस्पताल में भर्ती होना पड़ता है। ऐसे रोगियों के अध्ययनों से यह निष्कर्ष सामने आया है कि कूल्हे के फ्रैक्चर वाले लगभग पचास प्रतिशत रोगी पूर्णतया ठीक नहीं हो पाते, वे सदा के लिए ही बिस्तर से बंध जाते हैं।

इस बीमारी का पता लगाना ज्यादा मुश्किल नहीं है विशेषकर महिलाओं में आसानी से इसका पता लग सकता है। वैसे तो बोन डेनसिटीमीटर से कुछ ही पलों में इस रोग का पता लगाया जा सकता है, पर एक साधारण से रिस्ट टेस्ट के द्वारा इस रोग का घर बैठे ही पता लगाया जा सकता है। इसके लिए कुछ साधारण प्रश्न आप खुद से पूछ सकती हैं, जिससे पता चला सकता है कि आपको यह बीमारी होने की आशंका है कि नहीं।

- क्या आप एक रजोनिवृत्त महिला हैं और क्या आपको पैंतालीस वर्ष की आयु से पहले ही रजोनिवृत्ति हो गई थी?
- क्या आप शारीरिक तौर पर सक्रिय नहीं हैं?
- क्या आप अपने आहार में कैल्शियमयुक्त खाद्य पदार्थ जैसे दूध और दूध से बनी चीजें कम लेती हैं?
- क्या आपकी या परिवार के किसी नजदीकी सदस्य की हड्डी किसी हल्के से झटके से टूटी है?
- क्या आप दमा या आर्थराइटिस के लिए कोर्टिकोस्टिरॉटड दवा छह महीने से ले रही हैं?

ऊपर लिखे प्रश्नों में से यदि एक प्रश्न का भी उत्तर हां है तो आपको ऑस्टियोपोरोसिस की आशंका हो सकती है, ऐसे में तुरंत डॉक्टरी सलाह लेना उचित रहेगा।

ऑस्टियोपोरोसिस का पता लगाने के लिए डॉक्टर अल्ट्रासाउंड बोन डेन्सिटोमीटर टेस्ट का सहारा लेते हैं। इससे अस्थियों में नुकसान की दर, फ्रैक्चर होने की संभावनाओं, इलाज के प्रभावों आदि की जानकारी मिल जाती है। इसमें एल्कोहल में भीगी रूई से टखनों के किनारों को साफ करके पैर को एक रेडिएशन फ्री मशीन के भीतर रखना होता है। मशीन में पैर फिट होने के बाद रीडिंग ली जाती है और दो मिनट में ही परीक्षण की रिपोर्ट सामने आ जाती है। जांच से पहले सामान्य खाना ही खाएं, इस बात का ध्यान रखें कि इस परीक्षण के चौबीस घंटे पहले कैल्शियम की खुराक न लें। यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि परीक्षण से सात दिन पहले तक कोई बेरियम-स्टडी रेडियो आइसोटोप इंजेक्शन अथवा सीटी अथवा एम.आर.आई परीक्षण के लिए ओरल या आई.वी कान्ट्रास्ट न लिया गया हो।

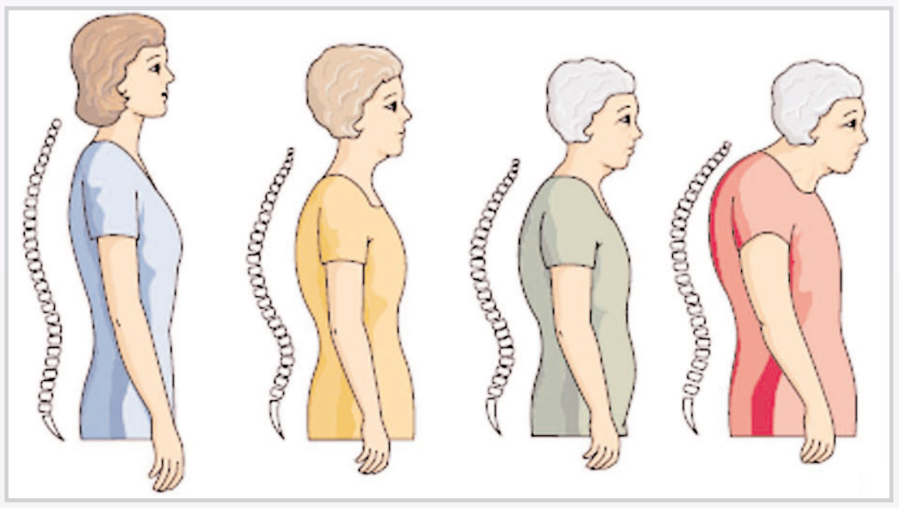

कुछ आसान से छोटे-छोटे व्यायाम भी आपको इस बीमारी से बचा सकते हैं। इनमें से कुछ इस प्रकार हैं-

- फर्श पर लेट जाएं। दोनों हाथों को पेट पर रखकर घुटनों को 90 डिग्री के कोण में मोड़ें। अब कंधों को जमीन से सटाकर रखें और सिर को ऊंचा उठाएं, फिर धीरे-धीरे नीचे ले जाएं। इसे दस-पन्द्रह बार दोहराना चाहिए।
- पेट के नीचे तकिया रखकर फर्श पर पेट के बल लेट जाएं। दोनों हाथ नितम्बों पर रखें। अब सिर को फर्श तक झुकाएं और फिर जितना उठा सकें उठाएं। इस प्रक्रिया की पुनरावृत्ति दस से पन्द्रह बार करें।
- कुर्सी पर कुछ इस प्रकार बैठें कि आपकी पीठ कुर्सी से सटी हो। सिर के पीछे दोनों हाथों को क्रास करें। कोहनियों की पीछे की ओर खींचते हुए लंबी सांस लें और सांस छोड़ते हुए वापस पूर्व स्थिति में आ जाएं। ऐसा दस-पन्द्रह बार करें।
- हाथों और घुटनों के बल झुकें। एक घुटने को कमर की ऊंचाई तक ले जाएं फिर वापस पूर्व स्थिति में ले आंए। दूसरे पैर से यही व्यायाम करें। इस क्रिया को भी दस से पन्द्रह बार दोहराना उचित रहेगा।
- फर्श पर सीधे लेटें और दोनों हाथ पेट पर रखें। अब पैरों को फर्श से लगभग एक इंच ऊपर उठाएं इसमें ध्यान रखें कि घुटने आपस में जुड़े हों। इस स्थित मिं कुछ सेकेण्ड रुकने के बाद पैरों को नीचे ले आएं। ऐसे पांच से दस बार करें।
- कुर्सी पर पीठ लगाकर सीधे बैठें। बाहों को किनारे पर टिकाएं और पैरों को फर्श पर सीधे रखे। फिर अपने कंधों को पीछे की ओर धकेलने का प्रयास करे और फिर पहली वाली अवस्था में वापस आ जाएं। इसे भी दस या पन्द्रह बार दोहराएं।

एक अहम बात यह है कि इन व्यायामों को करने से पूर्व किसी विशेषज्ञ से परामर्श जरूर लें।

जहां तक खान-पान का प्रश्न है, सदैव ऐसा संतुलित आहार जिसमें पर्याप्त मात्रा में कैल्शियम हो, इसके साथ ही फल जैसे नाशपाती, केला, अमरूद और अंजीर आदि भी लें। दालें, बादाम, अखरोट, टमाटर, मूंगफली, सोयाबीन, राजमा, पत्तागोभी, मेथी, मछली और ऑयस्टर मांस की पर्याप्त मात्रा भी भोजन में शामिल की जानी चाहिए।

कैफीन और एल्कोहल से बचना फायदेमंद होता है। सिगरेट से बचना भी जरूरी है क्योंकि यह एक्ट्रोजन के स्तर को कम करती है और महिलाओं में रजोनिवृति के समय हड्डियों के घनत्व पर बुरा असर डालती है। कार्बोनेटिक पेय और सोड़ा आदि भी न लें क्योंकि इसमें उपस्थित फास्फोरस आपके शरीर में उपस्थित कैल्शियम की अतिरिक्त मात्रा में कमी कर सकता है।

ऑस्टियोपोरोसिस से बचाव के लिए संतुलित आहार और नियमित व्यायाम जरूरी है हर सांतवे से दसवें वर्ष में पुरानी हड्डियों का स्थान नई हड्डियां ले लेती हैं। बड़े होने पर मजबूत हड्डियां हों इसलिए बचपन से भी हड्डियों की मजबूती का ध्यान रखना जरूरी होता है।

एक अनानास
करे कई बीमारियों का नाश

अनानास का नाम सुनते ही बच्चे हों या बड़े इसे खाने से कतराते हैं। देखने में खूबसूरत लगने वाला यह फल खाने में उतना ही खट्टा और एसिडिक होता है। मगर अनानास जूस से भरा बेहतरीन फल है। इसका ट्रापिकल फ्लेवर मीठे और खट्टे दोनों को सही बैलेंस करता है। गर्मी हो या सर्दी यह कभी भी खाया जा सकता है। मगर ज्यादातर लोग इसे गर्मी में खाना पसंद करते हैं। इसे नमक और चाट मसाले के साथ खाएं, तो यह स्वादिष्ट लगता है।

अनानास में विटामिन्स और मिनरल्स की भरपूर मात्रा होती है। जैसे विटामिन ए और सी। कैल्शियम, पोटाशियम और फास्फोरस भी इसमे मौजूद होता हैं। फाइबर से युक्त और फैट व कोलेस्ट्रोल बहुत कम होने के कारण सेहत के लिए इसे फायदेमंद माना जाता है। गर्मियों के लिए एक बेहतरीन फल है।

कफ और कोल्ड के वायरस से लड़ने के लिए इसमें विटामिन सी की सही मात्रा होती है। इसमें ब्रोमेलेन नामक पदार्थ होता है जो खांसी रोकने में मददगार है।

इसमें पाया जाने वाला मैग्नीज हड्डियों और उत्तकों को मजबूत बनाएं रखने में मददगार होता है। अनानास के लगातार सेवन से आपके मसूढ़े स्वस्थ और मजबूत रहते हैं।

अनानास मैकुलर डिजेनेरेशन से भी बचाता है। मैकुलर डिजेनेरेशन के कारण ही विजन लॉस होता है और रेटिना डैमेज होता है। इससे व्यक्ति अंधा हो सकता है। मगर अनानास में मौजूद बीटा कैरोटीन इस खतरे को तीस प्रतिशत तक कम करने में मददगार होता है।

पाचन संबंधी समस्याओं के लिए अनानास का सेवन सबसे फायदेमंद है। यह पाचन क्रिया को दुरूस्त बनाने में मदद करता है। अनानास में मौजूद ब्रोमेलेन इसके रस को न्यूट्रल करता है जिस कारण यह ज्यादा एसिडिक नहीं हो पाता।

यह पैनक्रियाज से बनाने वाले रस को भी नियंत्रित करता हैं जो पाचन क्रिया में आगे मददगार होते हैं। पैनक्रियाज में नियंत्रण के कारण हम डायबिटीज जैसी बीमारी से भी सुरक्षित रह सकते हैं।

प्रेग्नेंसी में च्यूइंग गम! खतरनाक

प्रेग्नेंसी के दौरान च्यूइंग गम ज्यादा खाने से बच्चा सील सिंड्रोम का शिकार हो सकता है। इस बीमारी में उसकी बॉडी तो नॉर्मल होगी लेकिन उसके हाथ-पैर छोटे बच्चे की तरह ही छोटे रहते हैं। कई बार पेशंट के पैरों में इतनी भी जान नहीं होती कि वह अपने पैरों पर खड़ा रह सके। इस बीमारी को भुगत रहे इराक के 46 साल के हुसैन अली राधी को जब हार्ट की बीमारी हुई तो उनके देश के डॉक्टर उनका इलाज करने के लिए तैयार नहीं हुए। लेकिन दिल्ली के डॉक्टरों ने विश्व में पहली बार ऐसे पेशंट की एंजियोप्लास्टी करके तीन स्टेंट लगाने में कामयाबी हासिल की। इलाज के बाद हुसैन अब अपने देश जाने की तैयारी में हैं।

हाथ-पैर छोटे

मैक्स के कार्डियोलॉजिस्ट डॉक्टर विवेका कुमार ने बताया कि हुसैन एक जनेटिक बीमारी के शिकार हैं, जिस वजह से उनके हाथ और पैर छोटे बच्चे की ही तरह हैं यानी हाथ और पैरों की ग्रोथ नहीं हो पाई है, जबकि बाकी पार्ट्स सामान्य इंसान की तरह हैं। इस बीमारी को सील सिड्रोम कहा जाता है। अमूमन हर 25 हजार बच्चों में से एक को यह बीमारी होती है। आमतौर पर इस बीमारी में बच्चे का कद छोटा हो जाता है, लेकिन कई बार हाथ पैर में इतनी भी जान नहीं होती वह कुछ उठा सके या चल सके। ऐसे लोग पूरी जिंदगी वील चेयर पर ही होते हैं। हुसैन भी इसी तरह अपनी जिंदगी जी रहे हैं।

हार्ट में 3 ब्लॉकेज

डॉक्टर कुमार ने बताया कि हुसैन के हार्ट में तीन ब्लॉकेज पाए गए थे। वह इराक के कई अस्पताल गए लेकिन कोई भी डॉक्टर इलाज करने को तैयार नहीं हुआ क्योंकि हाथ-पैर छोटे होने की वजह से एंजियोप्लास्टी के लिए नस का साइज छोटा पड़ रहा था। आखिरकार वह दिल्ली पहुंचे। डॉक्टर ने बताया, पहले हमने बाइपास सर्जरी का प्लान किया था लेकिन उनके साइज को देखकर टाल दिया गया। पैर की नस से हार्ट तक पहुंचना भी मुश्किल था, इसलिए हाथ के जरिए उनके हार्ट में पहुंचा गया। यह मुश्किल प्रॉसिजर था, लेकिन सफल रहा।

बचें च्यूइंग गम से

डॉक्टर विवेका कुमार का कहना है कि जो महिलाएं गर्भ के दौरान च्यूइंग गम या पेन किलर ज्यादा खाती हैं, उनके बच्चे में ऐसी बीमारी होने की संभावना ज्यादा रहती है। डॉक्टर कुमार के मुताबिक, ऐसे पदार्थ में टेराटोजेनिक होता है, जो एंब्रियो को नुकसान पहुंचाता है। कुछ ऐसा ही पदार्थ पेन किलर थैलीडोमाइड में भी पाया जाता है, जिसे अब बैन कर दिया गया है। इसकी वजह से जैनेटिक डिसऑर्डर होता है और बच्चा सील सिंड्रोम का शिकार हो जाता है। महिलाओं को प्रेग्नेंसी के दौरान च्यूइंग गम से बचना चाहिए।

स्वास्थ्य पर 'हार्ड' होते 'सॉफ्ट' ड्रिंक्स के खतरे

सॉफ्ट ड्रिंक्स की आदत बच्चों से लेकर बूढ़ों तक को है। मौसम चाहे जो हो, इनके दीवाने इन्हें पीकर ही अपनी तलब मिटाते हैं। इससे क्षणिक तौर पर भले ही उन्हें अच्छा महसूस होता हो, पर दीर्घकालिक दृष्टि से ये सेहत के दुश्मन साबित होते हैं। एक दैनिक में छपी रिपोर्ट के अनुसार, सॉफ्ट ड्रिंक्स पीते ही तत्काल उसका प्रभाव शुरू हो जाता है। 20 मिनट में ही ब्लड शूगर का स्तर बहुत हाई हो जाता है। 40 मिनट बाद सॉफ्ट ड्रिंक्स में मौजूद कैफीन शरीर में समा जाती है जो ब्लड प्रैशर को बढ़ा देती है।

इसके कुछ ही समय बाद शरीर में डोपमाइन नामक कैमिकल बनता है जो एक तरह का नशा पैदा करता है। धीरे-धीरे सॉफ्ट ड्रिंक्स एडिक्शन हो जाती है। इसके 15 मिनट बाद शरीर के लिए महत्वपूर्ण कैल्शियम, मैग्नीशियम और जिंक पेशाब के जरिए शरीर से बाहर निकल जाते हैं। डीहाइड्रेशन की वजह से थकान महसूस होने लगती है। यदि कोई व्यक्ति 350 मिलीलीटर सॉफ्ट ड्रिंक्स की बोतल का सेवन करता है तो उसमें इतनी अधिक शक्कर होती है जो एक वयस्क आदमी की दिन भर की जरूरत से अधिक होती है।

फोर्टिस हॉस्पिटल की डा. नीलू तलवार के अनुसार सॉफ्ट ड्रिंक्स में मौजूद कैरेमल शरीर को इंसुलिन विरोधी बना देता है।

इम्पीरियल कालेज लंदन की शोध के अनुसार, सॉफ्ट ड्रिंक्स की हर 350 मिलीलीटर की बोतल के सेवन के साथ टाइप-2 डायबिटीज होने का खतरा 20 प्रतिशत बढ़ जाता है।

अमेरिकी हार्ट एसोसिएशन की शोध के अनुसार दुनिया में हर साल 1 लाख 80 हजार लोग सॉफ्ट ड्रिंक्स की वजह से मरते हैं।

कोलंबिया यूनिवर्सिटी के मेलमैन स्कूल आफ पब्लिक हैल्थ ने अपने अध्ययन में पाया कि शीतल पेयों में पाया जाने वाला सोडा बच्चों में आक्रामकता, विरक्ति और ध्यान केंद्रित करने में परेशानी जैसी समस्याएं पैदा करता है। नियमित रूप से शीतल पेय पीने वाले बच्चे ज्यादा लड़ाई-झगड़ा करते हैं और जल्दी असंयमित हो जाते हैं। सॉफ्ट ड्रिंक्स में पोषक तत्वों का नितांत अभाव रहता है। इसमें विटामिन तथा खनिज लवण आदि नहीं होते।

सॉफ्ट ड्रिंक्स की अम्लीयता अधिक होती है जो हमारे दांतों और हड्डियों को गलाने में सक्षम है। हड्डियां गलने लगती हैं और इनका कैल्शियम धमनियों, शिराओं या अंगों में जमा होने लगता है। गुर्दे में जमा होकर यह पथरी का कारण बनता है। आम तौर पर लोग भोजन करने के बाद सॉफ्ट ड्रिंक्स का सेवन करते हैं। पेट में उपस्थित पाचक एंजाइमों की कार्यक्षमता 37 डिग्री सैल्सियस तापमान पर सर्वाधिक होती है जबकि सॉफ्ट ड्रिंक्स का तापमान इससे बहुत कम, जीरो डिग्री तक होता है। इस वजह से पाचक रस काम नहीं कर पाते और भोजन अपचा रह जाता है।

ऐसी स्थिति में उसका फर्मेंटेशन शुरू हो जाता है जिससे गैसें एवं विषैले पदार्थ बनने लगते हैं। आंतें इन्हें सोखकर रक्त में पहुंचा देती हैं और रक्त के साथ शरीर के विभिन्न अंगों में पहुंचकर ये कई प्रकार के रोग पैदा करते हैं। कार्बनडाइआक्साइड शरीर को काफी नुक्सान पहुंचाती है। कुछ वर्ष पूर्व दिल्ली यूनिवर्सिटी का एक छात्र एक प्रतियोगिता में सॉफ्ट ड्रिंक्स की आठ बोतलें एक साथ पी गया था जिससे उसकी मृत्यु हो गई। डाक्टरों ने मृत्यु का कारण उसके रक्त में कार्बनडाइआक्साइड की अत्यधिक मात्रा होना बताया था।

कुछ लोगों को कैमिकल, रंग और सुगंध आदि से एलर्जी होती है। ऐसे में सॉफ्ट ड्रिंक्स में मौजूद रसायन, रंग सुगंध उनके लिए जानलेवा हो सकती है। इसी प्रकार सॉफ्ट ड्रिंक्स को लम्बे समय तक टिकाऊ या सुरक्षित बनाए रखने के लिए उसमें प्रिजर्वेटिव मिलाए जाते हैं जो निरापद नहीं होते।

कुछ लोग नकली सॉफ्ट ड्रिंक्स बनाने और बेचने का धंधा करते हैं। वे प्रसिद्ध कम्पनियों की खाली बोतलों में नकली या घटिया माल भरकर उपभोक्ता की सेहत और जेब दोनों पर डाका डाल रहे हैं।

गर्मियों में ये 5 तरीके फैट कम करेंगे

फिटनेस के लिए जरूरी नहीं कि हमेशा जबरदस्त ट्रेनिंग और कार्डियो की ही जरूरत हो। रेग्युलर आउटडोर ऐक्टिविटीज भी एक्स्ट्रा कैलरी कम कर सकती हैं। गर्मियों में आप कुछ ऐसी मजेदार ऐक्टिविटीज अपना सकते हैं जिनके जरिए कैलरी कम की जा सके। जानिए ऐसी पांच गतिविधियां-

स्विमिंग- स्विमिंग पूल में हल्का फुल्का स्विम करना भी आपके स्वास्थ्य के लिहाज से अच्छा है। अगर आप ठीक-ठाक समय तक स्विमिंग करते हैं तो कैलरी बर्न होती ही है लेकिन यदि हल्की-फुल्की करें तो भी एक हद तक कैलरी बर्न की जा सकती हैं। बस ये ध्यान रखें कि स्लो पेज पर स्विम करें।

साइकलिंग- साइकलिंग के नाम से बचपन याद आ जाता है। कितना अच्छा हो यदि आप इन गर्मियों में अपने बचपन को याद करते हुए थोड़ी बहुत साइकलिंग भी कर लें। इससे एक पंथ दो काज हो जाएंगे.. बचपन की मौज की याद ताजा और अच्छी एक्सरसाइज भी।

वाटर स्पोर्ट्स- गर्मियों में पानी में डुबकी लगाने वाले गेम्स न सिर्फ मजा देते हैं बल्कि आपको कैलरी बर्न करने मे भी मदद करते हैं। वाटर स्कीइंग, वाटर राफ्टिंग जैसे स्पोर्ट्स के जरिए एक्स्ट्रा कैलरीज बर्न करिए।

बैडमिंटन- क्या आपको पता है कि आउटडोर जैसे बैडमिंटन जैसे गेम्स आपको 10 मिनट में 50 कैलरीज से निजात दिला सकते हैं। यह खेल मजेदार तो है ही और इसके लिए आपको कुछ खास तैयारी भी नहीं करनी है। केवल दो रैकेट्स और शटलकॉक्स.. और आप हो गए तैयार।

गार्डनिंग- क्या आप गार्डनिंग का शौक रखते हैं? गर्मी के इस मौसम में अपने गार्डन में कुछ वक्त बिताइए या गार्डन बनाइए। नए प्लांट्स लगाना, उनकी देखभाल करना और मिट्टी आदि से संबंधित जो काम आप करेंगे वह न सिर्फ आपकी कैलरी बर्न करेगा, आपको फ्रेश सब्जियां-फल भी कुछ समय बाद मिलने लगेंगे।

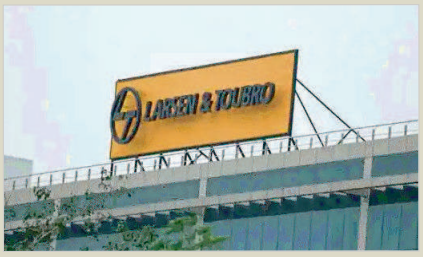

एल एण्ड डी कंस्ट्रक्शन ने आयलफील्ड सपलाई कंपनी सउदी से आर्डर प्राप्त किया

नयी दिल्ली, लार्सन एण्ड टुब्रो (एल एण्ड टी) ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसकी निर्माण इकाई को आयलफील्ड सपलाई कंपनी सउदी से तेल और गैस आपूर्ति आधार का डिजाइन और निर्माण करने के लिये 2,500 करोड़ रुपये तक का आर्डर प्राप्त हुआ है। कंपनी ने हालांकि ठेके का ठीकठीक मूल्य नहीं बताया है लेकिन कहा है कि उसका यह आर्डर ''महत्वपूर्ण आर्डर'' की श्रेणी में आता है जिसका मूलय 1,000 करोड़ रुपये से लेकर 2,500 करोड़ रुपये के दायरे में आता है। एल एण्ड टी ने कहा कि इस परियोजना में विभिन्न प्रकार की औद्योगिक सुविधाओं का निर्माण शामिल है। एक प्रशासनिक इमारत के अलावा सहायक भवन, उसके साथ की ढांचागत सुविधायें, भंडारण यार्ड के अलावा सिविल, ढांचागत और अन्य कार्य शामिल हैं।

परियोजना को 30 माह में पूरा किया जाना है।

एल एण्ड टी के वरिष्ठ कार्यकारी उपाध्यक्ष और पूर्णकालिक निदेशक एम वी शतीश ने कहा कि इस परियोजना से सउदी अरब किंगडम में तेल एवं गैस उद्योग के पालन-पोषण और संरक्षण कार्य में सहयोग मिलेगा। इससे ऊर्जा क्षेत्र में औद्योगिक वृद्धि को तेज करने में भी मदद मिलेगी।

वाधवानी एडवांटेज ने हेल्थकेयर के लिए एक्सीलरेशन कार्यक्रम शुरू किया

नई दिल्ली। वाधवानी एडवांटेज ने चिकित्सा उपकरणों के निर्माताओं से लेकर फार्मास्युटिकल कंपनियों और डिलीवरी प्रदाताओं तक, हेल्थकेयर उद्योग में व्यवसायों की सहायता के लिए एक एक्सीलरेशन कार्यक्रम शुरू किया है। कार्यक्रम में 1-12 महीने का जुड़ाव शामिल है और यह एक व्यक्तिगत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के नेतृत्व में व्यापार एक्सीलरेशन प्रक्रिया के माध्यम से सक्षम होने के लिए तीन साल तक समर्थन की पेशकश करता है। वाधवानी फाउंडेशन में वाधवानी एडवांटेज के कार्यकारी उपाध्यक्ष समीर साठे ने एक बयान में कहा, यह कार्यक्रम उद्यमों के एक्सीलरेशन को सक्षम करने का प्रयास करता है, जो भारत में हेल्थकेयर प्रणाली के कुछ सबसे बड़े और उपेक्षित क्षेत्रों को संबोधित करने में सक्षम हैं। उन्होंने कहा, इस कार्यक्रम के माध्यम से, हम इस क्षेत्र में व्यावसायिक उद्यमों का समर्थन और सशक्तिकरण करके भारतीय स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र को मजबूत करने का लक्ष्य रखते हैं। हमारा उद्देश्य प्रमुख स्वास्थ्य सेवा पारिस्थितिकीय हितधारकों के साथ साझेदारी करना है, जो संयुक्त रूप से स्वास्थ्य व्यवसायों की आवाज का प्रतिनिधित्व करते हैं और उनकी सक्षमता के लिए काम करते हैं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य हेल्थकेयर क्षेत्र में व्यवसायों के विकास को गति देना है, राजस्व में वृद्धि करना और मुक्त नकद प्रवाह को तेज करना है, ताकि विकास की संभावना टू इट-योरसेल्फ (डीआईवाई) डिस्कवरी और बिजनेस सॉल्यूशंस टूल किट्स तथा अन्य ज्ञात संसाधनों के जरिए अधिकतम हो सके। वाधवानी एडवांटेज ने एसोसिएशन ऑफ इंडियन मेडिकल डिवाइस इंडस्ट्री (एआईएमईडी), वॉयस ऑफ हेल्थकेयर (वीओएच) और जिनटियो विकास के साथ साझेदारी की है, ताकि हेल्थकेयर क्षेत्र में तालमेल या सहक्रिया को आगे बढ़ाया जा सके। इसका लक्ष्य किसी भी व्यावसायिक अपेक्षा के बिना व्यापार पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना है। वाधवानी एडवांटेज बिना किसी कीमत के उच्च गुणवत्ता वाले इन्टर्वेन्शन ऑफर करता है।

भारत अपनी अर्थव्यवस्था को कार्बन मुक्त करने को प्रतिबद्धः प्रधान

वाशिंगटन,

केन्द्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने कहा है कि भारत की प्राथमिकतायें विकसित देशों की दुनिया के मुकाबले अलग हैं इसके बावजूद वह एक जिम्मेदार वैश्विक नागरिक होने के नाते अपनी अर्थव्यवस्था को कार्बन मुक्त रखने के लिये प्रतिबद्ध है। उन्होंने एक अमेरिकी 'थिंक टैंक' से कहा कि आने वाले समय में भारत से ही ऊर्जा मांग की वृद्धि आयेगी, क्योंकि आने वाले वर्षों में भारत की ऊर्जा मांग बढ़नी तय है। प्रधान ने कहा कि भारत की ऊर्जा मांग में होने वाली वृद्धि को पूरा करने के लिये नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र ही आगे होगा। इस संबंध में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा हाल में की गई घोषणा का जिक्र किया जिसमें उन्होंने कहा कि कि 2030 तक भारत की ऊर्जा टोकरी में उसकी कुल जरूरत में 40 प्रतिशत हिस्सा नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र से पूरा होगा। सेंटर फार स्ट्रेटजिक एण्ड इंटरनेशनल स्टडीज (सीएसआईएस) के कार्यक्रम में बुधवार को किये गये अपने संबोधन में प्रधान ने कहा, ''हम एक उभरती अर्थव्यवस्था हैं। दुनिया की विकसित अर्थव्यवस्थाओं के मुकाबले हमारी प्राथमिकतायें, हमारी रणनीति अलग है। '' हालांकि, उन्होंने जोर देकर कहा कि एक जिम्मेदार वैश्विक नागरिक होने के नाते भारत अपनी अर्थव्यवस्था को कार्बन मुकत रखने के लिये प्रतिबद्ध है। कार्बन मुक्त अर्थव्यवस्था से तात्पर्य ऐसी अर्थव्यवसथा से है जहां कार्बन उत्सर्जन करने वाले कम ऊर्जा स्रोत हों ताकि पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली कम से कम गैस उसमें निकले। पारंपरिक क्षेत्रों के अलावा भारत ऊर्जा के भविष्य के स्रोतों पर भी गौर कर रहा है। उन्होंने हाइड्रोजन को भारत के लिये प्राथमिक क्षेत्र बताते हुये उन्होंने भारत के हाइड्रोजन मिशन के बारे में बताया। भारत की इस क्षेत्र में नीतिगत पहल जारी है और वह इस क्षेत्र में अमेरिका के साथ मिलकर काम कर रहा है। इस मौके पर प्रधान ने ऊर्जा के मूल्य निर्धारण और वितरण मामले में बाजार आधारित सुधारों के बारे में भी उल्लेख किया।

यूपी : सिर्फ4 घंटे के लिए खुलेंगे बैंक

लखनऊ।

उत्तरप्रदेश में गुरुवार से 15 मई तक ग्राहकों के लिए बैंक केवल चार घंटे के लिए खुलेंगे। बैंक सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक खुले रहेंगे। बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए आयोजित राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (एसएलबीसी) की बैठक में कोविड मामलों में उछाल को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। एसएलबीसी अधिकारियों ने कहा कि बैंक शाम 4 बजे तक आंतरिक कार्य के लिए खुले रहेंगे। राज्य में कोविड की स्थिति का आकलन करने के बाद निर्णय 15 मई से आगे बढ़ाया जा सकता है। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक्स यूनियन के प्रवक्ता अनिल तिवारी ने कहा, बैंक कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए यह निर्णय लिया गया है। केवल 50 प्रतिशत कर्मचारी रोटेशन के आधार पर काम करेंगे। सभी सार्वजनिक और निजी बैंक में गुरुवार से नए नियम लागू किए जाएंगे। एसएलबीसी एक राज्य स्तरीय निकाय है जिसमें उत्तर प्रदेश में सार्वजनिक और निजी बैंकों के महाप्रबंधक और वरिष्ठ कर्मचारी शामिल हैं।

रुपया छह पैसे के नुकसान से 74.94 प्रति डॉलर पर

मुंबई .

अंतरबैंक विदेशी विनिमय बाजार में बृहस्पतिवार को रुपया छह पैसे के नुकसान से 74.94 प्रति डॉलर पर आ गया। कोविड-19 संक्रमण के मामलों में लगातार बढ़ोतरी तथा विभिन्न राज्यों द्वारा आवाजाही पर अंकुश से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई, जिससे रुपया नीचे आया। विश्लेषकों ने कहा कि विदेशी मुद्रा की निकासी की चिंता के बीच रुपये की धारणा प्रभावित हुई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 75.25 प्रति डॉलर पर खुला। यह कारोबार के दौरान 74.82 से 75.26 प्रति डॉलर के बीच रहा। अंत में रुपया छह पैसे के नुकसान से 74.94 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। मंगलवार को रुपया 74.88 प्रति डॉलर रहा था। बुधवार को रामनवमी के मौके पर बाजार बंद रहे थे। रिलायंस सिक्योरिटीज के वरिष्ठ शोध विश्लेषक श्रीराम अय्यर ने कहा कि कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में चिंताजनक तेजी के बीच रुपये में गिरावट आई। इससे निकट भविष्य में वृद्धि परिदृश्य को लेकर जोखिम पैदा हो गया है। साथ ही विदेशी पूंजी की निकासी की आशंका भी बन गई है। इस बीच, छह मुद्राओं की तुलना में डॉलर का रुख दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 प्रतिशत के नुकसान से 91.09 पर आ गया। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार देश में एक दिन में संक्रमण के 3.14 लाख नए मामले आए हैं। यह किसी भी देश में एक दिन का सबसे ऊंचा आंकड़ा है। इस तरह देश में अब संक्रमण का आंकड़ा 1,59,30,965 पर पहुंच गया है। इस बीच, ब्रेंट कच्चा तेल वायदा 0.54 प्रतिशत के नुकसान से 64.97 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

बाजार में दो दिन से जारी गिरावट पर लगा विराम, सेंसेक्स 375 अंक चढ़ा

मुंबई,

दो दिन की गिरावट के बाद शेयर बाजारों में बुधवार को तेजी लौटी और बीएसई सेंसेक्स 375 अंक उछलकर बंद हुआ। कोविड-19 संक्रमण के बढ़ते मामलों को लेकर चिंता के बीच निवेशकों ने बैंक और वित्तीय कंपनियों के शेयरों में लिवाली की, जिससे बाजार को मजबूती मिली। कारोबारियों के अनुसार वैश्विक स्तर पर अनुकूल रुख के बीच चुनिंदा शेयरों में लिवाली से बाजार में तेजी आयी। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स शुरू में 501 अंक लुढ़क गया था। इस नुकसान से उबरते हुए सेंसेक्स अंत में 374.87 अंक की बढ़त के साथ 48,080.67 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 109.75 अंक यानी 0.77 प्रतिशत मजबूत होकर 14,406.15 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में सर्वाधिक लाभ में आईसीआईसीआई बैंक रहा। इसमें 3.60 प्रतिशत से अधिक की तेजी आयी। इसके अलावा, एचडीएफसी बैंक, एसबीआई, कोटक बैंक, बजाज फाइनेंस और एक्सिस बैंक में भी तेजी रही। दूसरी तरफ टाइटन, एचयूएल, एशियन पेंट्स, टेक महिंद्रा, नेस्ले इंडिया और अल्ट्राटेक सीमेंट आदि में 2.75 प्रतिशत तक गिरावट दर्ज की गयी। रिलायंस सिक्योरिटीज के रणनीति प्रमुख विनोद मोदी ने कहा, ''देश भर में कोविड-19 के बढ़ते मामले तथा कई राज्यों द्वारा इसकी रोकथाम के लिये लगाये गयी पाबंदियों से निकट भविष्य में बाजार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इससे कंपनियों की आय में सुधार को लेकर जोखिम उत्पन्न हुआ है।''उन्होंने कहा, ''आपूर्ति में बाधा और दूरदराज के क्षेत्रों में कोविड-19 संक्रमण के मामले में बढ़ने से आर्थिक गतिविधियां प्रभावित होंगी। हमारा मानना है कि बाजार में तबतक उतार-चढ़ाव रह सकता है, जबतक कोविड-19 मामला सुधरता नहीं है।' स्वास्थ्य मंत्रालय के बृहस्पतिवार को जारी आंकड़े के अनुसार देश में बृहस्पतिवार को कोविड-19 के अब तक के सर्वाधिक 3.14 लाख से ज्यादा मामले आने के साथ ही संक्रमितों की संख्या बढ़ कर 1,59,30,965 हो गयी है। एशिया के अन्य बाजारों में हांगकांग, सोल और तोक्यो लाभ में रहे जबकि शंघाई बाजार में गिरावट दर्ज की गयी। यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरूआती कारोबार में तेजी का रुख रहा। इस बीच, वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड का भाव 0.51 प्रतिशत की गिरावट के साथ 64.99 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 6 पैसे टूटकर 74.94 पर बंद हुआ।

आवासीय इकाइयों की हाल में बढ़ी मांग दबी मांग नहीं बल्कि ढांचागत मांग थीः एचडीएफसी चेयरमैन

मुंबई,

मकानों के लिये हाल में मांग में जो वृद्धि दिखाई दी है वह दबी मांग का प्रकट होना नहीं थी बल्कि बाजार में बुनियादी बदलावों पर आधारित में सुधार है। उनकी राय में यह मांग बरकरार रहेगी। एचडीएफसी के चेयरमैन दीपक पारेख ने बृहस्पतिवार को यह कहा। उन्होंने कहा कि निम्न ब्याज दरें, संपत्तियों के स्थिर दाम और आवासीय रिण पर लगातार उपलब्ध वित्तीय लाभ से पिछले कुछ माह के दौरान आवास रिण में वृद्धि दर्ज की गई है। पारेख ने एक वर्चुअल सम्मेलन 'प्रापटेक शिखर सम्मेलन' को संबोधित करते हुये कहा, ''हाल के समय में आवासीय क्षेत्र में जो मजबूत मांग देखी गई वह आश्चर्यजनक रूप से तेजी के रुख में थी। मेरा मजबूती के साथ यह मानना है कि यह दबी हुई मांग नहीं थी बल्कि यह बुनियादी बदलावा से उभरी मांग थी और इसके बने रहने की संभावना है।'' उन्होंने कहा कि मकानों को लेकर यह जो मांग बढ़ी है उसमें पहली बार फ्लैट-मकान खरीदने वाले ग्राहक तो हैं ही, इसके साथ ही संपत्ति के मामले में एक पायदान ऊपर चढ़ने वाले भी शामिल हैं जो कि बड़ा मकान चाहते हैं या फिर किसी दूसरे स्थान पर एक अन्य मकान खरीदना चाहते हैं। पारेख ने कहा कि घर से काम करने का विकल्प मौजूद होने के बाद अब किसी के कार्यस्थल की दूरी को लेकर ज्यादा परेशानी नहीं है। ऐसे में घर खरीदारों के लिये मकान खरीदते समय उनके स्थान को लेकर कई विकल्प उपलब्ध हैं। पारेख ने इस मौके पर यह भी कहा कि निर्माण उद्योग आज की तारीख में दुनिया का सबसे कम डिजिटलीकरण वाला उद्योग है। ''ऐसा अनुमान है कि रियल एस्टेट क्षेत्र अपने कुल राजस्व का 1.5 प्रतिशत से भी कम प्रौद्योगिकी पर खर्च करता है। इस बात पर सभी सहमत होंगे कि रियल एस्टेट क्षेत्र को लेकर सामयिक आंकड़े मुश्किल से ही कभी उपलब्ध होते होंगे।'' उनका मानना है कि प्रौद्योगिकी रियल एस्टेट क्षेत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही ला सकती है। इससे लागत क्षमता में भी काफी सुधार होगा। उन्होंने कहा कि आज फिनटेक, हेल्थटेक और एडूटेक को लेकर बहुत बातचीत होती है लेकिन प्रापर्टी के क्षेत्र में प्रौद्योगिकी यानी प्रापटेक को लेकर अभी बहुत कम सुनाई देता है।

पारले प्राडक्टस ने वृद्धि के रास्ते पर बढ़ने के लिये आईबीएम के साथ हाथ मिलाया

नयी दिल्ली, रोजमर्रा के उपभोग का सामान बनाने वाले कंपनी पारले प्राडक्टस और आईटी क्षेत्र की कंपनी आईबीएम ने बृहस्पतिवार को एक दूसरे के साथ भागीदारी की घोषणा की। भागीदारी के तहत आईबीएम बिस्कुट विनिर्माता पारले को उसके उत्पादों को बाजार में जल्दी और प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिये प्रौद्योगिकीय समर्थन देगी। दोनों कंपनियों की ओर से जारी संयुकत वक्तव्य में यह जानकारी दी गई है। इसमें कहा गया है कि पारले प्राडक्टस अग्रणी सुरक्षा और उद्योग विशेषज्ञता के साथ आईबीएम की बदलावकारी आधुनिक क्लाउड और कृत्रिम मेधा (एआई) क्षमता का लाभ उठायेगी। इसमें उसे प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनी की व्यवसायिक सलाह और प्रौद्योगिकी सेवाओं का भी लाभ मिलेगा। वक्तव्य में कहा गया है कि इस भागीदारी से पारले को अपने पारले- जी बिस्कुट जैसे सबसे ज्यादा बिक्री वाले उत्पादों को बाजार में सही समय और सही जगह पर पहुंचाने में मदद मिलेगी। पारले प्राडक्टस के कार्यकारी निदेशक अजय चौहान ने इस भागीदारी पर कहा, ''हमारी प्राथमिकता भारतीय उपभोक्ता की बढ़ती मांग को पूरा करना है। हम देश के सबसे बड़े बिस्कुट ब्रांड को उपलब्ध कराते हैं। आईबीएम के साथ काम करके हम अपने सुरक्षा दायरे को मजबूत करेंगे और बाजार तक पहुंचने के समय को कम कर अपने परिचालन को सुव्यवस्थित करेंगे- जो कि हमारे लिये एक अहम उपलब्धि होगी।''

लैंड रोवर डिफेंडर ने 2021 वर्ल्डकार डिजाइन ऑफ द ईयर के ताज से सम्मानित किया

लैंड रोवर डिफेंडर को वार्षिक वर्ल्ड कार अवार्ड्स में 2021 वर्ल्ड कार डिजाइन ऑफ द ईयर से सम्मानित किया गया है। यह तीसरी बार लैंड रोवर को रेंज रोवर वेलार (2018) और रेंज रोवर इवोक (2012) और हाल ही में अपने मजबूत 4×4 के लिए वैश्विक पुरस्कार जीतने के बाद यह प्रतिष्ठित पुरस्कार मिला है।

न्यू डिफेंडर वास्तव में 70 से अधिक वर्षों के लिए लैंड रोवर हॉलमार्क होने और 21 वीं सदी के रोमांच को पुनर्परिभाषित करने के अपने पहली बार जुनून से चिपके हुए हैं। नाम, आकार और क्षमता में अद्वितीय, इस बॉडी डिज़ाइन में विभिन्न प्रकार के विकल्प हैं और इसे चार एक्सेसरी पैक के विकल्प के साथ और भी अधिक व्यक्तिगत बनाया जा सकता है ताकि ग्राहक अपनी दुनिया को अलग तरीके से अनुकूलित कर सकें।

वर्ल्ड कार डिज़ाइन ऑफ़ द ईयर अवार्ड पिछले 12 महीनों की सर्वश्रेष्ठ नई कार को पहचानता है और उच्च स्तर के तकनीकी नवाचार और डिज़ाइन के साथ वाहनों को बढ़ावा देता है जो स्थापित सीमाओं को गति देते हैं। जगुआर लैंड रोवर के ओबीई, मुख्य रचनात्मक अधिकारी प्रो। गैरी मैकगोवन ने कहा: "नए डिफेंडर उनके अतीत से प्रभावित हुए हैं और हमें इस तरह के पुरस्कार से सम्मानित किए जाने पर खुशी है। हमारा लक्ष्य 21 वीं सदी के डिफेंडर का निर्माण करना था जो अपनी प्रसिद्ध डीएनए और ऑफ-रोड क्षमताओं को बनाए रखते हुए इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी और डिजाइन की सीमाओं को आगे बढ़ाएगा। परिणाम एक आकर्षक 4×4 है जो ग्राहकों के साथ भावनात्मक रूप से गूंजता है।"

टाटा स्टील ने लिबर्टी स्टील को अदालत में घसीटा, भुगतान न करने का आरोप

लंदनः

भारत की प्रमुख इस्पात कंपनी टाटा स्टील ने ब्रिटेन में ब्रिटिश भारतीय संजीव गुप्ता की अगुवाई वाले जीएफजी एलायंस के खिलाफ वाणिज्यिक अदालत में मामला दर्ज किया है। कंपनी ने लिबर्टी स्टील नाम से कंपनी का संचालन करने वाली जीएफजी एलायंस पर 2017 में अधिग्रहण से जुड़े मामले में भुगतान से चूक करने का आरोप लगाया है। लिबर्टी स्टील ने टाटा की विशेष प्रकार के इस्पात बनाने वाले कारोबार का अधिग्रहण किया था। इस कारोबार में योर्कशायर, लैंकाशायर और वेस्ट मिडलैंड्स में 1,700 कर्मचारी काम करते थे। टाटा स्टील ने करीब 10 करोड़ डॉलर के सौदे के मई 2017 में पूरा होने की घोषणा की थी। एक समाचार पत्र की रिपोर्ट के अनुसार अब यह बात सामने आई है कि इस सौदे में भुगतान नहीं किया गया। इसको देखते हुए टाटा ने लिबर्टी स्पेशलिटी स्टील, लिबर्टी हाउस ग्रुप पीटीई और स्पेशलिटी स्टील यूके (सभी जीएफजी एलायंस से संबद्ध) के खिलाफ अदालती कार्यवाही शुरू की है। टाटा स्टील के एक प्रवक्ता ने कहा, ''चूंकि यह मामला अभी चल रहा है, हम कोई टिप्पणी नहीं कर सकते।'' जीएफजी एलायंस ने मुकदमे के बारे में कुछ भी कहने से मना कर दिया। एलायंस को हमेशा समर्थन देने वाली ग्रीनसील कैपिटल के धाराशायी होने के बाद से वह काफी दबाव में है। हालांकि उसने कर्ज को लेकर जारी प्रयासों के बारे में जानकारी दी। जीएफजी एलायंस के प्रवक्ता ने कहा, ''हमारे ज्यादातर बड़े कारोबार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। कोविड-19 के कारण हमारे कुछ कारोबार पर प्रतिकूल असर पड़ा है।

ग्रीनसील कैपिटल के धाराशायी होने से हमारे यूके कारोबार को लेकर कार्यशील पूंजी के समर्थन पर असर पड़ा है। हम नए वित्त पोषण के लिए प्रयास कर रहे हैं।''

S&P का अनुमानः चालू वित्त वर्ष में 11% रहेगी वृद्धि दर, पर लॉकडाउन का प्रभाव पड़ेगा

बिजनेस डेस्कः

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष 2021-22 में भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 11 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। इसके साथ उसने व्यापक लॉकडाउन के अर्थव्यवस्था पर उल्लेखनीय प्रभाव को लेकर आशंका भी जताई है। एशिया-प्रशांत के वित्तीय संस्थानों पर रिपोर्ट में एसएंडपी ने कहा कि कोविड-19 महामारी पर नियंत्रण अर्थव्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह महामारी एक बड़ा जोखिम है। हालिया सप्ताहों में महामारी के मामलों में तेजी से इजाफा हुआ है और देश इस समय कोविड की दूसरी लहर की गिरफ्त में आ गया है। एसएंडपी की रिपोर्ट में कहा गया है, 2021 के लिए हमारा वृद्धि दर का अनुमान 11 प्रतिशत है। उसके बाद अगले दो साल के दौरान वृद्धि दर 6.1 और 6.4 प्रतिशत रहेगी। कुछ लक्षित लॉकडाउन पहले ही लागू हो गए हैं और आगे और लॉकडाउन हो सकते हैं। लॉकडाउन की अवधि और दायरे के हिसाब से इनका अर्थव्यवस्था पर उल्लेखनीय प्रभाव पड़ेगा। फिलहाल एसएंडपी ने भारत को स्थिर परिदृश्य के साथ बीबीबी- की रेटिंग दी हुई है। एसएंडपी का अनुमान है कि अर्थव्यवस्था को तेजी से दोबारा खोलने तथा वित्तीय प्रोत्साहनों की वजह से चालू वित्त वर्ष में भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 11 प्रतिशत रहेगी। आधिकारिक अनुमानों के अनुसार बीते वित्त वर्ष 2020-21 में भारतीय अर्थव्यवस्था में 8 प्रतिशत की गिरावट आई। पिछले सप्ताह एक अन्य वैश्विक एजेंसी मूडीज इन्वेस्टर्स सर्विस ने कहा था कि कोविड की दूसरी लहर की वजह से भारत के वृद्धि दर के अनुमान में जोखिम है। हालांकि, मूडीज ने कहा था कि पिछले साल गतिविधियां काफी सीमित रहने की वजह से चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था 10 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज करेगी।

ओला का ई-स्कूटर जुलाई में सड़कों पर दौड़ेगा

नयी दिल्ली,

ओला इलेक्ट्रिक ने इस साल जुलाई तक भारतीय बाजार में इलेक्ट्रिक स्कूटर उतारने की घोषणा की है। इसके अलावा कंपनी 'हाइपरचार्जर' नेटवर्क पर काम कर रही है जिसके तहत देश के 400 शहरों में एक लाख चार्जिंग पॉइंट स्थापित किए जाएंगे। ओला ने पिछले साल तमिलनाडु में पहला इलेक्ट्रिक स्कूटर कारखाना लगाने के लिए 2,400 करोड़ रुपये का निवेश करने की घोषणा की थी। यह कारखाना पूरा होने के बाद 10,000 रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएगा। यह दुनिया के सबसे बड़े स्कूटर विनिर्माण संयंत्रों में होगा, जिसकी सालाना उत्पादन क्षमता 20 लाख इकाइयों की होगी।

ओला के चेयरमैन एवं समूह मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) भाविश अग्रवाल ने कहा, ''हम यह कारखाना जून तक लगा देंगे। इसकी क्षमता 20 लाख इकाइयों की होगी। अगले 12 माह के दौरान हम इसकी क्षमता बढ़ाएंगे। कारखाना शुरू होने के बाद बिक्री भी शुरू हो जाएगी। बिक्री जुलाई में शुरू होगी।'' हालांकि, कंपनी ने अभी ई-स्कूटर के दाम और अन्य ब्योरे का खुलासा नहीं किया है। इस बीच, कंपनी ने कहा है कि ओला का हाइपरचार्जर नेटवर्क दुनिया का सबसे व्यापक इलेक्ट्रिक दोपहिया चार्जिंग नेटवर्क होगा। इसके तहत 400 शहरों में एक लाख चार्जिंग पॉइंट लगाए जाएंगे। पहले साल में ओला देश के 100 शहरों में 5,000 चार्जिंग पॉइंट लगाएगी। यह देश में चार्जिंग ढांचे का दोगुना से अधिक है। कंपनी ने कहा कि ओला का स्कूटर 18 मिनट में 50 प्रतिशत चार्ज किया जा सकेगा।

जोकोविक ने सर्बिया ओपन की शुरुआत जीत से की

बेलग्रेड।

दुनिया के नम्बर-1 टेनिस खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविक ने अपने गृहनगर बेलग्रेड में जारी सर्बिया ओपन की शुरुआत सीधे सेटों की जीत के साथ की है। जोकोविक ने पहले मुकाबले में दक्षिण कोरिया के क्वोन सून वू को 6-1, 6-3 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। जोकोविक ने अपने प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ मात्र 90 मिनट में जीत हासिल की और अंतिम-8 में जगह सुरक्षित कराया। यह एटीपी 250 इवेंट आठ साल के अंतराल के बाद फिर से आयोजित किया जा रहा है। इस टूर्नामेंट का आयोजन नोवाक टेनिस सेंटर पर हो रहा है और इसकी पुरस्कार राशि 6.5 लाख यूरो है।

आईपीएल 14

पंजाब के सामने मुंबई की मुश्किल चुनौती

चेन्नई।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 14वें सीजन के 17वें मुकाबले में शुक्रवार को यहां एमए चिदंबरम स्टेडियम में पंजाब किंग्स के सामने मौजूदा चैंपियन मुंबई इंडियंस को रोकने की चुनौती होगी। बल्लेबाजी में मध्यक्रम में लड़खड़ाने के बावजूद मुंबई की टीम पंजाब के लिए कड़ी चुनौती पेश करेगी। लोकेश राहुल के नेतृत्व वाली पंजाब ने अपने चार मैचों में से सिर्फ एक में जीत हासिल की है और टीम ने पिछले दो मैचों में सनराइजर्स हैदराबाद और चेन्नई सुपर किंग्स जैसे प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ पिछले दो मैचों में बल्ले के साथ संघर्ष किया है। पंजाब ने जब भी बल्ले से अच्छा प्रदर्शन किया है, तो उसके सामने काफी बड़े स्कोर रहे हैं। टीम ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 222 रन बनाए थे और इसमें उसे केवल चार रन से ही जीत मिली थी। अगले मैच में, वे 196 रन के लक्ष्य का बचाव नहीं कर सके और दिल्ली कैपिटल्स ने उसे छह विकेट से हरा दिया। यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या पंजाब अपनी बल्लेबाजी क्रम में बदलाव करता है या नहीं। क्रिस गेल ने बल्ले से संघर्ष किया है और उनके वेस्टइंडीज टीम साथी निकोलस पूरन के बल्ले से रन नहीं निकल रहे हैं , जिन्होंने पिछले सीजन में रन बनाए थे। पंजाब किंग्स दुनिया के नंबर-1 टी 20 बल्लेबाज इंग्लैंड के डेविड मलान को अंतिम एकादश में शामिल कर सकता है। चेन्नई की स्पिन वाली पिच पर पंजाब का मध्यक्रम लड़खड़ाता दिख रहा है। टीम रवि बिश्नोई को वापस ला सकती है, जिन्होंने पिछले सीजन में अच्छा प्रदर्शन किया था। चेपक में पंजाबा का यह केवल दूसरा मैच होगा जबकि मंबई ने अपने सभी मैच यहीं खेले हैं। मुंबई की टीम को दो मैचों की जीत के बाद अपने पिछले मैच में दिल्ली कैपिटल्स के हाथों हार का सामना करना पड़ा था और टीम अब वापसी करना चाहेगी।

टीमें (संभावित:)

मुंबई इंडियंस : रोहित शर्मा (कप्तान), एडम मिल्ने, आदित्य तारे, अनमोलप्रीत सिंह, अनुकुल रॉय, अर्जुन तेंदुलकर, क्रिस लिन, धवल कुलकर्णी, हार्दिक पांड्या, इशान किशन (विकेटकीपर), जेम्स नीशम, जसप्रीत बुमराह, जयंत यादव, कायरन पोलार्ड , क्रुणाल पंड्या, मार्को जानसेन, मोहसिन खान, नाथन कूल्टर नाइल, पीयूष चावला, क्विंटन डी कॉक (विकेटकीपर), राहुल चाहर, सौरभ तिवारी, सूर्यकुमार यादव, ट्रेंट बाउल्ट, युधवीर सिंह।

पंजाब किंग्स: लोकेश राहुल (कप्तान और विकेटकीपर), मयंक अग्रवाल, क्रिस गेल, मनदीप सिंह, प्रबीसिमरन सिंह, निकोलस पूरन (विकेटकीपर), सरफराज खान, दीपक हुड्डा, मुरुगन अश्विन, रवि बिश्नोई, हरप्रीत बराड़, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह इशान पोरेल, दर्शन नल्कंडे, क्रिस जॉर्डन, दाविद मालन, झे रिचर्डसन, शाहरुख खान, रिले मेरेडिथ, मोइसेस हेनरिक्स, जलज सक्सेना, उत्कर्ष सिंह, फैबियन एलन, सौरभ कुमार।

यूथ मुक्केबाजी : भारत को लगातार दूसरा स्वर्ण, गीतिका और चानू ने जीते स्वर्ण

नई दिल्ली।

साल 2019 की एशियन यूथ चैंपियन भारतीय महिला मुक्केबाज बेबीरोजीसाना चानू (51 किग्रा) और गीतिका (48 किग्रा) ने पोलैंड के किल्से में जारी एआईबीए यूथ पुरुष और महिला विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में अपना शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में गुरुवार को जीत हासिल करके स्वर्ण पदक जीत लिया।

टूर्नामेंट में भारत का यह लगातार दूसरा स्वर्ण पदक है। उनसे पहले गीतिका (48 किग्रा) ने पोलैंड की नतालिया डोमिनिका को एकतरफा अंदाज में 5-0 से शिकस्त देकर स्वर्ण पदक जीता। मणिपुर की बॉक्सर चानू ने बहुत ही तीव्रता के साथ पूरे बाउट पर हमला किया, जिसकी बदौलत 5-0 से फैसला उनके पक्ष में रहा। उन्होंने फाइनल में रूस की वेलेरिया लिंकोवा को शिकस्त दी। बेबीरोजीसाना चानू (51 किग्रा) इससे पहले, ने इटली की एलन अयारी को आसान से मात देकर स्वर्ण पदक मुकाबले में अपनी जगह पक्की की थी। चानू से पहले, गीतिका (48 किग्रा) ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया। गीतिका ने स्वर्ण पदक मुकाबले में पोलैंड की नतालिया डोमिनिका को एकतरफा अंदाज में 5-0 से शिकस्त दी। गीतिका ने 30-27, 30-27, 30-27, 30-27,30-27 से यह मुकाबला जीता। गीतिका ने इससे पहले, इटली की एरिका प्रिस्किनाड्रो पर 5-0 की शानदार जीत के साथ फाइनल में प्रवेश किया था।

फीडे कैंडीडेट शतरंज - नेपोंनियची की शानदार जीत बढ़त कायम

एकतुरिनबुर्ग ,रूस (निकलेश जैन)

फीडे कैंडीडेट शतरंज चैंपियनशिप के दूसरे भाग के तीसरे दिन दसवें राउंड मे सबसे आगे चल रहे रूस के इयान नेपोंनियची नें हमवतन आलेक्सींकों किरिल को पराजित करते हुए प्रतियोगिता मे अपनी चौंथी जीत दो दर्ज की ही साथ ही अपनी एकल बढ़त को 1 अंक के अंतर से मजबूत कर लिया । 10 राउंड के बाद वह 6.5 अंक बनाकर ख़िताबी जीत की तरफ अपना दावा मजबूत करते नजर आ रहे है । हालांकि दूसरे स्थान पर चल रहे यूएस के विश्व नंबर 2 फबियानों करूआना से आने वाले राउंड मे उन्हे टकराना है जो निर्णायक हो सकता है , इसके अलावा उन्हे फ्रांस के मकसीम लागरेव , और चीन के डींग लीरेंन , वांग हाड्ढ1ष्ठ ठुउ का सामना करना है । दसवें राउंड मे अन्य मुक़ाबले अनिर्णीत रहे यूएस के फबियानों करूआना नें चीन के डिंग लीरेन से , नीदरलैंड के अनीश गिरि नें फ्रांस के मकसीम लागरेव से , रूस के अलेक्ज़ेंडर ग्रीसचुक नें चीन के हाउ वांग से बाजी ड्रॉ खेली । राउंड 10 के बाद नेपोम्नियाची 6.5 अंक ,फबियानों , मकसीम और अनीश 5.5 अंक ,वांग और ग्रीसचुक 4.5 अंक , डिंग और आलेक्सींकों 4 अंक पर खेल रहे है ।

फिटनेस सुधार लिया तो मेरा स्तर ऊंचा हो जाएगा : प्रणीत

नई दिल्ली।

भारत के अग्रणी बैडमिंटन खिलाड़ी बी.साई प्रणीत का कहना है कि वह अपने खेल का स्तर ऊंचा उठाने के लिए इन दिनों बड़ी शिद्दत से अपनी फिटनेस पर काम कर रहे हैं। प्रणीत टोक्यो ओलंपिक में सीधे क्वालीफिकेशन में दावेदारी करने वाले भारत के अकेले बैडमिंटन खिलाड़ी हैं। टोक्यो की दौड़ में उनका दावा ओलंपिक क्वालीफिकेशन सूची में उनकी रैंकिंग (13) के माध्यम से है। बैंकॉक में साल की शुरूआत परेशानी भरी रही, इसके बाद उन्होंने योनेक्स थाईलैंड ओपन में उन्हें नीची रैंक वाले कांताफॉन वांगचारोएन ने 32-राउंड में बाहर कर दिया। वो कोविड-19 टेस्ट पॉजीटिव आने के बाद टोयोटा थाईलैंड ओपन में भाग नहीं ले सके। प्रणीत ने ओलंपिक चैनल से कहा, मैंने बिना किसी गलती के अपना तीन सप्ताह का समय बर्बाद कर दिया। मानसिक रूप से यह बहुत भार डालने वाला है। हर टूर्नामेंट में आपको कई बार कोविड टेस्ट करवाना होता है। परिणाम कभी-कभी गलत भी होते हैं। भारत लौटने के बाद उन्होंने कड़ी मेहनत की और बाद की प्रतियोगिताओं जैसे कि स्विस ओपन और प्रतिष्ठित ऑल इंग्लैंड ओपन पर अपनी निगाहें टिका दीं। उन्होंने बासेल में क्वार्टर फाइनल तक पहुंच कर अच्छा प्रदर्शन किया। लेकिन एक बार फिर ब्रिटेन में ऑल इंग्लैंड ओपन में कोविड की स्थिति के कारण चीजों ने एक खतरनाक मोड़ ले लिया। उन्होंने कहा, हम नहीं जानते थे कि क्या वे हमें अंतिम क्षण तक खेलने की अनुमति देंगे। हम तीन दिनों तक कमरे में बंद रहे और वहां से सीधे मैच खेलने के लिए गए। लेकिन, प्रणीत में जंग खाने जैसे कोई लक्षण नहीं दिखे। उन्होंने पहले दौर में अपने प्रतिद्वंद्वी को पीछे छोड़ दिया और स्विस खिलाड़ी विक्टर एक्सेलसेन से ऊपर आ गए। पहले सेट में उन्होंने दुनिया में नंबर 2 खिलाड़ी को 21-15 से हराया और दूसरे में उन्होंने 5-0 से बढ़त बनाई। हालांकि, भारतीय की थकान ने एक्सेलसेन को वापसी करने का मौका दिया और यहां तक कि वो मैच जीतने में कामयाब रहे। उन्होंने कहा, ऑल इंग्लैंड टूर्नामेंट में मेरे लिए फिटनेस एक परेशानी का विषय था। यदि सब कुछ आसानी से चलता और मैं अच्छी शेप में होता, तो मैं बहुत बेहतर खेल सकता था। हार से सबक लेते हुए प्रणीत ने टोक्यो की यात्रा से पहले अपनी फिटनेस में सुधार करने पर ध्यान केंद्रित किया है। क्योंकि, उन्हें लगता है कि तकनीकी रूप से उनके और दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के बीच ज्यादा अंतर नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

अमित पंघाल रूस में मुक्केबाजी प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में पहुंचे

नई दिल्ली । ओलंपिक की तैयारियों में जुटे अमित पंघल (52 किग्रा) ने रूस के सेंट पीटर्सबर्ग में चल रहे गवर्नस कप मुक्केबाजी प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में जगह बनाकर अपने लिए पदक पक्का किया लेकिन पांच अन्य भारतीय मुक्केबाजों को पहले दौर में ही हार का सामना करना पड़ा। विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता और एशियाई खेलों के मौजूदा चैंपियन ने स्थानीय खिलाड़ी तामिर गालानोव को 5-0 से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई। सुमित सांगवान (81 किग्रा), मोहम्मद हुसामुद्दीन (57 किग्रा), नमन तंवर (91 किग्रा), ओलिंपिक में जगह बना चुके आशीष कुमार (75 किग्रा) और विनोद तंवर (49 किग्रा) को हालांकि शुरू में बाहर का रास्ता देखना पड़ा। विनोद को रूस के इगोर सारेगोरोत्सेव से 2-3 से जबकि सुमित को उज्बेकिस्तान के दिशोद रूजमेतोव से 0-5 से हार झेलनी पड़ी। नमन को कजाखस्तान के अयाबेक ओरालबे ने 5-0 से हराया। आशीष एक करीबी मुकाबले में रूस के निकिता कुजमिन से 2-3 से हार गए। हुसामुद्दीन भी उज्बेकिस्तान के मीराजिज मुरजाखलिलोव के सामने नहीं टिक पाए।

सेरी-ए : इंटर मिलान ने पार्मा को 3-1 से हराया

रोम। एलेक्स सांद्रो के दो गोलों की मदद से जुवेंतस ने सेरी ए लीग में खेले गए मुकाबले में पार्मा को 3-1 से हर दिया। एक अन्य मुकाबले में इंटर मिलान ने स्पेजिया को 1-1 से ड्रॉ पर रोक दिया। बुधवार को खेले गए इस मुकाबले में सांद्रो ने 43वें और 47वें मिनट में दो गोल किए। उनके अलावा मेथिज डी लाइट ने 68वें मिनट में एकमात्र गोल किया। इस जीत के बाद जुवेंतस की टीम अब 65 अंकों के साथ तीसरे नंबर पर पहुंच गई है। एक अन्य मैच में इंटर मिलान को स्पेजिया से 1-1 से ड्रॉ खेलना पड़ा। इंटर मिलान को लगातार दूसरा ड्रॉ खेलना पड़ा है। बुधवार को खेले गए अन्य मुकाबलों में कैग्लियारी ने उडीनिज 1-0 से हरा दिया जबकि सम्पदोरिया ने क्रोटोन को 1-0 सेद मात दी। वहीं, बोलोग्ना ने टोरिनो को 1-1 से और बेनेवेंटो ने जेनोवा को 2-2 से ड्रॉ पर रोक दिया।

ज़ी सिनेमा में कुली नंबर 1 के विश्व टेलीविजन प्रीमियर के साथ, "मज़ा और उत्साह की पूरी गारंटी"

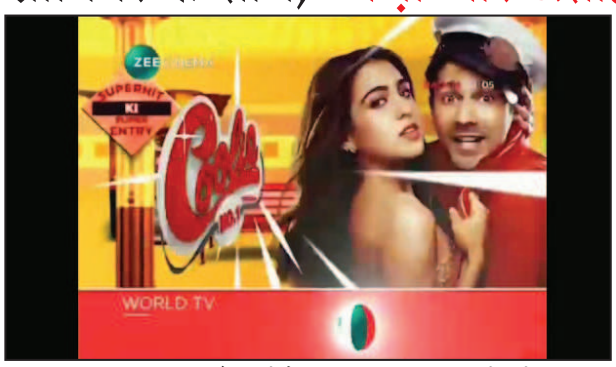

इस रविवार, हंसी, मज़ाक और हंगामे के लिए तैयार हो जाइए, जैसा कि ज़ी सिनेमा आपके सामने ला रहा है, कुली नं। पहला विश्व टेलीविजन प्रीमियर। डेविड धवन की फिल्म, मजेदार संगीत और अनोखी कॉमेडी का जादू पूरे परिवार को देखने के लिए इस हल्की-फुल्की फिल्म को मजेदार बनाता है। मल्टी-स्टारर फिल्म में एक ऊर्जावान कलाकार वरुण धवन, एक आकर्षक सारा अली खान और शिखा तलसानिया और साहिल वैद के साथ कुछ अन्य सभी समय के पसंदीदा सुपरस्टार पारस रावल, जॉनी लीवर, जावेद जाफरी और राजपाल यादव शामिल हैं। इसलिए, घर पर रहें, सुरक्षित रहें और कुली नं। एक बहुत ही पारिवारिक मनोरंजक फिल्म का विश्व टेलीविजन प्रीमियर 25 अप्रैल रविवार को दोपहर 12 बजे ज़ी सिनेमा पर होगा।

कुली नं। 1, पूरे परिवार के साथ देखने के लिए एक संपूर्ण समर फिल्म है और एक पूर्ण मजेदार पैकेज पेश करने का वादा किया गया है। सभी उम्र के प्रशंसक मुख्य जोड़ी की केमिस्ट्री को पसंद करेंगे, साथ ही साथ अनुभवी अभिनेताओं की कॉमेडी भी। इसमें कर्व्स, टाइमिंग और मस्ती का सही तालमेल है, जो आपको घर पर ज़ोर से हँसाएगा।

इस रविवार, 25 अप्रैल को दोपहर 12 बजे कुली नं.1 के वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर के साथ होगा!

ओलंपिक में बड़ी संख्या में प्रतिभागियों को टीका लगाया जाएगा : बाक

लुसाने।

अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के अध्यक्ष थॉमस बाक इस बात को लेकर आश्वस्त है कि इस साल टोक्यो ओलंपिक में बड़ी संख्या में प्रतिभागियों को कोविड-19 टीका लगाया जाएगा। बाक ने बुधवार को आईओसी के कार्यकारी बोर्ड की बैठक के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, मुझे लगता है कि हम यह कह सकते हैं कि ओलंपिक विलेज में बड़ी संख्या में प्रतिभागियों को जापानी आबादी को अपनी सुरक्षा और एकजुटता के लिए टीका लगाया जाएगा। डीपीए की रिपोर्ट के अनुसार, बाक ने हालांकि कहा कि खेलों से दो महीने पहले टीकाकरण अनिवार्य नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा, लेकिन हम सभी राष्ट्रीय ओलंपिक समितियों और ओलंपिक टीमों को टीका लगाने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं और वास्तव में, हम एक अच्छी प्रक्रिया देख सकते हैं। खेलों से पहले अपने जापान दौरे के बारे में पूछे जाने पर बाक ने कहा, यह अभी भी योजना में है, इसलिए मैं इसकी पुष्टि नहीं कर सकता। एक बार व्यवस्था किए जाने के बाद वे निश्चित रूप से सार्वजनिक हो जाएंगे। कोरोना वायरस महामारी के कारण टोक्यो ओलंपिक 2020 को एक साल के लिए स्थगित कर दिया गया था और अब यह 23 जुलाई से शुरू होगा।

सुपर लीग से हटना सही कदम था : फर्नांडिन्हो

लंदन। मैनचेस्टर सिटी के कप्तान फर्नांडिन्हो का मानना है कि यूरोपियन सुपर लीग के पतन के बाद फुटबॉल की जीत हुई है। डीपीए की रिपोर्ट के अनुसार, मैनचेस्टर सिटी उन 12 क्लबों में से एक है, जिन्होंने विवादस्पद सुपर लीग से हटने की पुष्टि की थी। फर्नांडिन्हो ने स्वीकार किया कि सुपर लीग से हटने से बहुत से खिलाड़ियों को राहत मिली है। उन्होंने स्काई स्पोर्ट्स से कहा, यह पागलपन है। सोमवार को यह सुपर लीग सामने आती है, हम थोड़ा आश्चर्यचकित थे। उन्होंने कहा, हमें उम्मीद नहीं थी कि लेकिन, अंत में, मुझे लगता है कि अच्छी समझदारी ही सही थी। मुझे लगता है कि हर कोई जो फुटबॉल से प्यार करता है उसने इस सुपर लीग का समर्थन नहीं किया, जिसमें हमारे क्लब के खिलाड़ी भी शामिल हैं।

"मैं पहली बार डबल रोल निभा रही हूँ और मुझे बहुत मजा आ रहा है"- यह कहना है सोनी सब के 'जीजाजी छत पर कोई है' की हिबा नवाब उर्फ सीपी का

सोनी सब का शो 'जीजाजी छत पर कोई है' ने फैन्सथ की कल्प नाओं को परदे पर उतारा है और अपनी दिलचस्पो कहानी से उनका मनोरंजन कर रहा है। इस शो अनूठी शैली दर्शकों के रोमांच को बढ़ाने का काम कर रहा है। अपनी भुतिया घटनाओं के साथ यह शो सस्पें स और ह्यूमर को बढ़ा रहा है और साथ ही कॉमेडी का वो सुकून भी दे रहा है। दर्शकों की तरफ से कनॉट प्ले स (सीपी) के रूप में हिबा नवाब को काफी तारीफ और सपोर्ट मिल रहा है।

अपने डबल रोल के बारे में वह कहती हैं, "यह पहली बार है कि मैं डबल रोल कर रही हूँ और मुझे काफी मजा भी आ रहा है। ज्योदा से ज्या दा चीजें सीखने और अपने दायरे से बाहर निकलकर एक कलाकार के तौर पर खुद को आगे बढ़ाने का यह एक शानदार मौका है। मेरा किरदार एक-दूसरे से पूरी तरह अलग है और इस शो का हिस्साग बनना मेरे लिये खुशकिस्मैती की बात है, जिसने मुझे अपना टैलेंट दिखाने और दो अलग-अलग किरदार निभाने का मौका दिया। यह एक रोमांचक अनुभव है और एक ऐसे शो के साथ जुड़कर अच्छा लगता है जो लोगों के बीच खुशियाँ और मुस्कु राहट बाँटता है। इसकी शूटिंग का अनुभव कमाल का रहा है और दोनों ही किरदारों ने मुझे हर दिन कुछ नया सिखाया है।"

इस शो की सफलता के बारे में हिबा नवाब कहती हैं कि, "अपने फैन्स , परिवार और दोस्तोंब से जिस तरह की प्रतिक्रिया मिली है उससे मैं बेहुद खुश हूँ। इस शो को ढेर सारा प्याँर मिल रहा है और जब आपकी मेहनत रंग लाती है तो बहुत अच्छा महसूस होता है। बतौर कलाकार, जब आप अपना सीन करने के दौरान पूरी मेहनत करते हैं तो आपको भी अच्छाछ लगता है। इससे दर्शक भी उस शो से जुड़ने और मनोरंजन के लिये मजबूर हो जाते हैं। हमने अपनी तरफ से पूरी जान लगा दी है और काफी लोगों में दिलचस्पी जगाने में कामयाब रहे हैं। दर्शकों को मजा आ रहा है और कॉमेडी का स्तदर दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है। कॉमेडी के साथ इसमें मिस्ट्री। का भी डरावना अनुभव जुड़ा हुआ है। दर्शकों ने जीजाजी फ्रेंचाइजी को हमेशा ही सराहा है और इस बार डरावने अनुभवों के साथ मनोरंजन का डोज पहले से भी डबल हो गया है। इसके रोमांचक ट्विस्टे और टर्न ने मनोरंजन को कई गुना बढ़ा दिया है।"

देखिये, हिबा नवाब को सीपी के रूप में 'जीजाजी छत पर कोई है' में सोमवार से शुक्रवार रात 10 बजे,केवल सोनी सब पर।

धोनी के माता-पिता की स्थिति नियंत्रण में : फ्लेमिंग

मुंबई। चेन्नई सुपर किंग्स के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा है कि कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के माता-पिता का स्वास्थ्य नियंत्रण में है और उनकी निगरानी की जा रही है।धोनी के माता-पिता का कोविड-19 टेस्ट पॉजिटिव आया था और इसके बाद उन्हें रांची के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था।फ्लेमिंग ने बुधवार को वानखेड़े स्टेडियम में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मिली 18 रन की जीत के बाद कहा, प्रबंधन की दृष्टि से, हम उनके परिवार की स्थिति से अच्छी तरह परिचित हैं। यह हर किसी के लिए कठिन समय है। एमएस और उनके परिवार को समर्थन है। एमएस के साथ बातचीत के बाद अभी स्थिति नियंत्रण में है लेकिन हम अगले कुछ दिनों में इसकी निगरानी करेंगे। धोनी के पिता पान सिंह और मां देवकी का पल्स सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में इलाज चल रहा और उनका ऑक्सीजन स्तर स्थिर है। फ्लेमिंग ने कहा, यह (कोविड-19) भारत को प्रभावित कर रहा है जिस तरह से यह है और यह दोस्तों और परिवार के साथ आईपीएल तक पहुंच रहा है और इसके बायो बबल तक पहुंचने की उम्मीद नहीं है। हमने व्यापक समूह में दोस्तों और परिवारों की देखभाल के बारे में बात करने में काफी समय बिताया। हमें उम्मीद है कि उनका परिवार जल्दी ठीक हो जाएगा।

कोरोना के डर से रिटायर्ड पुलिसकर्मी ने आत्महत्या की

चार-चार बेटियों की शादी कराकर सुखमय जीवन जी रहे थे मुझे कोरोना हो जाएगा तो क्या, ऐसी चिंता करते थे

सूरत।

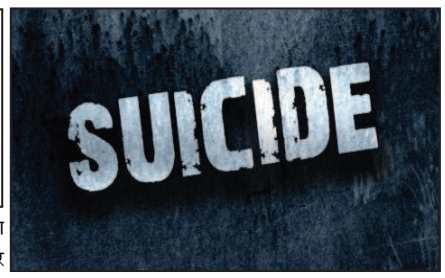

शहर में पुलिस विभाग में ड्यूटी करते रिटायर्ड कर्मचारी को खुद को कोरोना होगा, ऐसे मानसिक तनाव में वैक्सीन का दूसरा डोज ले इसके पहले ही गुस्से में आकर गले में फांसी लगाकर आत्महत्या कर लेने की घटना सामने आई है। हालांकि यह कर्मचारी की मौत के बाद रिपोर्ट निकालने पर उनका रिपोर्ट पॉजिटिव आया था। सूरत में गुरुवार को एक ऐसी घटना सामने आई है यह जानकर लोग आश्चर्यचकित हो जाएगे। सूरत के नानपुरा में रहते और पुलिस विभाग में रिटायर्ड हो गये हरकिशन भगवाकर पिछले ३ महीने से मानसिक तनाव में रहते थे। उनको डर था कि, हाल में चल रहे कोरोना महामारी में वह चपेट में आ जाएगे। हालांकि यह विचार से लगातार मानसिक तनाव अनुभव करते थे। मृतक यह क्षेत्र के पूर्व नगर सेवक विजय मास्टर के निजी और विशेष दोस्त थे। पूर्व कॉर्पोरेटर ने बताया कि, आज हमने दोनों ने कोरोना के खिलाफ सुरक्षा देती वैक्सीन का दूसरा डोज लगाना था, जिसकी वजह से अपने दोस्त को इसके घर पर बुलाने गया था, हमें शाम को दूसरा डोज ले जाना था। उनके घर पर जाकर भाभी को पूछा कहां गया हमारा दोस्त, तो भाभी ने कहा, देखती हूं इस तरफ होगा ज हां मैं गया तो मेरा दोस्त नायलॉन की डोरी के द्वारा फांसी लगाई गई हालत में देखने को मिला। मेरा शोर सुनकर भाभी और पड़ोसी भागकर आ गये इसके बाद पुलिस को जानकारी दी गई। उल्लेखनीय है कि मृतक हरकिशनभाई पुलिस कमिश्नर ऑफिस में सीनियर क्लर्क के तौर पर सेवा देकर रिटायर्ड हुए थे। चार-चार बेटियों की शादी कराकर सुखमय जीवन जी रहे थे। कई महीनों से मुझे कोरोना हो जाएगा तो क्या, ऐसी चिंता करते थे। मानसिक तनाव को लेकर आत्महत्या का कदम उठाया जाने का अनुमान लगाया जा रहा है। हालांकि पुलिस ने यह मामले में अपराध दर्ज करके आगे की जांच शुरू कर दी है। अब यह कर्मचारी की मौत के बाद उनका रिपोर्ट निकालने पर वह कोरोना पॉजिटिव होने का सामने आया है।

सूरत भूमि, सूरत। श्री सौधर्म बृहद तपागच्छिया त्रिस्तुतिक जैन संघ सूरत थरादवाला द्वारा श्री राजेंद्र जयंत कोविद आाईसोलेशन केंद्र (50 बेड की ऑक्सीजन वाली अस्पताल) का उद्घाटन भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सी.आर.पाटिल द्वारा किया गया था। जिनके साथ सूरत की मेयर श्रीमती हेमालिबेन, सूरत की सांसद श्रीमती दर्शनबेन,विधायक श्री हर्षभाई, विधायक श्री पूर्णेशभाई, स्थायी अध्यक्ष परेशभाई, पूर्व उप महापौर नीरवभाई, त्रिस्तुतिक संघ के अध्यक्ष नितिनभाई अदाणी, यूवक महासंघ के अध्यक्ष नितिनभाई शाह के साथसाथ अन्य ट्रस्टी भी मौजूद थे। इस अवसर पर मुनिराज श्री वैभवरत्न विजयजी महाराज साहब ने मंगल आशीष भेजा।

पुलिस अब सिर्फ मास्क का जुर्माना वसूल करेगी

गांधीनगर।

राज्य में कोरोना महामारी चल रही है। रोजाना संक्रमण का आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है। इस बीच राज्य सरकार ने लोगों को राहत दी है। राज्य के मंत्री योगेश पटेल का एक पत्र वायरल हुआ है। इस अनुसार कोरोना संक्रमण को ध्यान में रखते हुए फिलहाल पुलिस सिर्फ मास्क का जुर्माना वसूल करेगी। वाहन चालकों से अन्य कोई जुर्माना वसूल नहीं किया जाएगा। लेकिन अभी इस मामले में राज्य सरकार ने कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है। राज्यस्तर के मंत्री योगेश पटेल ने कहा कि, आज मुख्यमंत्री के साथ बातचीत की है। राज्य के टू व्हीलर और फॉर व्हीलर चालकों से पुलिस मास्क के अलावा का जुर्माना वसूल नहीं करेगी। कोरोना काल में सिर्फ मास्क पहना नहीं हो तो इसका जुर्माना वसूल किया जाएगा। योगेश पटेल ने कहा कि महामारी में वाहन चालकों के खिलाफ आरटीओ नियम भंग के केस आते है। ऐसे समय में लोगों को भारी समस्या का सामना करना पड़ता है, यह पेशकश की गई है। योगेश पटेल ने बताया है कि, हजारों रुपये का जुर्माना चुकाने के साथ आरटीओ से

वाहन छुड़ाने में कई दिन बीत जाते है और वहां लोगों की भीड़ होती है। मंत्री योगेश पटेल की पेशकश के बाद मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने वाहन व्यवहार मंत्री आरसी फलदू और गृह राज्यमंत्री प्रदीपसिंह जाडेजा को सूचना दी है।

पुलिस अब लोगों से सिर्फ मास्क का जुर्माना वसूल करेगी, यह योगेश पटेल ने बताया है। आरटीओ में वाहन के काम के लिए लोगों की भीड़ देखने को मिलती है। इसी वजह से वहां भी कोरोना संक्रमण बढ़ रहा है। हाल में अहमदाबाद वस्त्राल आरटीओ के २५ कर्मचारी संक्रमित हुए थे। अब आरटीओ में लोगों की भीड़ कम करने के लिए यह निर्णय लिया गया है।

बैंक सुबह १० से दोपहर २ बजे तक ही खुले रहेंगे

अहमदाबाद।

देश के साथ-साथ गुजरात में भी कोरोना की वजह से हालत गंभीर होती जा रही है। इसे ध्यान में रखते हुए राज्य भर के बैंकों के समय में अब बदलाव किया गया है। आज से ३० अप्रैल तक बैंक केवल सुबह १० से दोपहर २ बजे तक ग्राहकों के लिए खुला रहेगा। पैसा निकालने और जमा सहित किसी भी अन्य आवश्यक कार्य को करने के इच्छुक ग्राहकों को दोपहर २ बजे से पहले पूरा करना होगा। राज्य ने बैंक के समय में बदलाव पर चर्चा के लिए १५ अप्रैल को राज्य स्तर पर बैंकरों की एक बैठक आयोजित की गई थी। इस बैठक में बैंक के टाइमिंग में बदलाव करने पर चर्चा के साथ ही सरकार के वित्त विभाग द्वारा एक परिपत्र भी जारी किया गया है। इस परिपत्र में ग्राहक के आरटीजीएस, क्लियरिंग और रेमिटेंसिस जैसे कामों को प्राथमिकता दी जाएगी।

सभी बैंकों के एटीएम में पर्याप्त धन रखने के लिए विशेष निर्देश जारी किए गए हैं, ताकि ग्राहकों को पैसे का लेन-देन करने में किसी तरह की कठिनाई का सामना न करना पड़े। कोरोना महामारी की वजह से सभी क्षेत्रों में ५० प्रतिशत कर्मचारियों के साथ काम किया जा रहा है। जिसके कारण बैंकों में कर्मचारियों की संख्या भी कम कर दी गई है। इतना ही नहीं ज्यादातर कर्मचारी वर्क फ्रॉम होम कर रहे हैं। कई बैंकों के कर्मचारियों

की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने पर पूरे स्टाप में हंगामा मच गया है। उल्लेखनीय है कि शहरों के बाद अब गुजरात के ग्रामीण इलाकों में कोरोना अपना कहर बरपा कर रहा है। मेहसाणा में भी कोरोना के दैनिक मामलों की संख्या में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है। जिसकी वजह से स्थानीय प्रशासन सख्त कार्रवाई कर रहा है। बाजारों और दुकानों पर होने वाली भीड़ को कम करने के उद्देश्य से यह फैसला लिया गया है। पिछले २४ घंटों में मेहसाणा जिले में ४६० अधिक सकारात्मक मामले सामने आए हैं। जिसके बाद मेहसाणा में एक्टिव मामलों की संख्या ३,६८८ हो गई है।

ग्रामीण स्वास्थ्य के लिए हिन्दुस्तान जिंक की पहल सराहनीय: श्री आर जे हलानी

सूरत।

ग्रामीण क्षेत्र में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने और ग्रामीणों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता लाने के उद्धेश्य से हिन्दुस्तान जिंक द्वारा तापी स्मेल्टर के आस पास के क्षेत्र के तापी एवं सोनगढ़ के गावों के लिए मोबाइल हेल्थ वेन की शुरूआत की है। हिंदुस्तान जिंक के सामाजिक एवं ग्रामीण विकास कार्यक्रम के तहत इस मोबाइल हेल्थ वैन को जिला कलेक्टर तापी श्री आर जे हलानी एवं पुलिस अधीक्षक श्रीमती सुजाता मजुमदार द्वारा जिला कलेक्ट्रेट परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर जिला कलक्टर श्री आर जे हलानी ने कहा कि' ग्राम वासियों की स्वास्थ्य सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिये हिन्दुस्तान जिंक की मोबाइल हेल्थ वैन पहल सरानीय है। कोरोना महामारी के समय में निश्चित रूप से यह मददगार होगी।

आवश्यक मेडिकल सुविधाओं से सुसज्जित मोबाइल हेल्थ वैन खंजर ग्राम पंचायत के रुपवाडा गाँव मे पहुंची जिसका गावं सभ्य अरविन्द भाई एवं डेयरी अधयक्ष किशोर भाई द्वारा स्वागत किया गया एवं हिन्दुस्तान ज़िंक द्वारा इस पहल की सराहना की।मोबाइल हेल्थ वैन के माध्यम से तापी एवं सोनगढ़ के अन्तरीय ग्रामीण क्षेत्रों मे प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओ को उपलब्ध करवाने के साथ साथ समुदाय मे स्वास्थ्य एवं स्वच्छ्ता के प्रति जागरूकता बढ़ाने का कार्य किया जायेगा।

पुलिस अधीक्षक श्रीमती सुजाता मजुमदार ने कहा कि' हिन्दुस्तान जिंक की मोबाइल हेल्थ वैन की पहल प्रशंसनीय है। हिन्दुस्तान ज़िंक को इन ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष रूप से किशोर किशोरियों के साथ स्वास्थ्य एवं अन्य समस्याओं पर जुझारू रूप से कार्य करना चाहिये।

भगवान भरोसे मरीज

गुजरात के कई जिलों में ऑक्सीजन की कमी

राज्य के कई जिलों में बेड, ऑक्सीजन, इंजेक्शन की कमी से कारोना मरीजों की मौत दर्ज की जा रही है

गांधीनगर।

घातक कोरोना वायरस की दूसरी लहर गुजरात में हाहाकार मचा रखी है। राज्य में रोजाना दर्ज होने वाले कोरोना के नए मामलों की संख्या हर दिन पुराने रिकॉर्ड को तोड़ नया रिकॉर्ड बना रही है। कोरोना संक्रमितों की बढ़ती संख्या ने राज्य के स्वास्थ्य सुविधा की पोल खोल दी है।

राज्य के कई जिलों में बेड, ऑक्सीजन और इंजेक्शन की कमी की वजह से कोरोना मरीजों की मौत दर्ज की जा रही है। गुजरात ही नहीं बल्कि पूरा देश इस समय ऑक्सीजन की कमी से जूझ रहा है। अगर हम वडोदरा की बात करें तो यहाँ प्रतिदिन १६० मीट्रिक टन ऑक्सीजन की खपत हो रही है। वडोदरा में कोरोना के तेजी से प्रसार के बाद शहर के गोत्री और सयाजी अस्पताल में रोगियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। जिसकी वजह से लगातार ऑक्सीजन की मांग बढ़ती जा रही है। सूरत में भी स्थिति ऐसी ही है। सामान्य दिनों में सूरत को केवल १० टन ऑक्सीजन की आवश्यकता थी। जो इन दिनों कोरोना की स्थिति की वजह से बढ़कर २५० टन तक पहुंच गई है। सूरत में ऑक्सीजन की मांग बढ़ने पर जामनगर से १६ टन ऑक्सीजन मंगवाई गई है।

इतना ही नहीं शहर में ऑक्सीजन के इस्तेमाल के लिए एक विशेष ऑडिट कमेटी बनाई गई है।

कोरोना की चपेट में आकर होम आईसोलेशन में रहने वाले कोरोना संक्रमितों

की हालत बदतर हो गई है। ऐसे मरीजों को समय पर ऑक्सीजन या जरूरी दवाएं नहीं मिल रही हैं। स्वैच्छिक संगठनों द्वारा निः शुल्क ऑक्सीजन की बोतलें प्रदान की जा रही हैं। लेकिन मरीजों के रिश्तेदारों को फ्लोमीटर की कमी से परेशान होना पड़ रहा है। राजकोट, भावनगर, जामनगर और गिर-सोमनाथ सहित सौराष्ट्र के कई जिले भी ऑक्सीजन की समस्या से मरीज जूझ रहे हैं।

सूरत में भामाशाह ने एक लाख अनाज किट के वितरण की घोषणा की

सूरत।

कोरोना की महामारी के कारण गुजरात के लोगों की आर्थिक स्थिति बहुत खराब है। ऐसे में, सूरत के धवल अकबारी नाम के एक युवक ने पूरे गुजरात में एक लाख अनाज की किट देने की योजना बनाई, जिसे सूरत से शुरू किया गया। सूरत को परोपकार की भूमि कहा जाता है। सूरत किसी भी मुश्किल स्थिति में डटकर खड़ा रहता है। सूरत में लोगों को सभी वित्तीय मदद हमेशा दिखाई देती है। वर्तमान में, कोरोना पूरे गुजरात में फैल गया है।

और इसने पूरे गुजरात में गरीब और मध्यम वर्ग के परिवार टूट चूके हैं ऐसे में भामाशा ने एक लाख खाद्यान्न देने का फैसला किया है। जिसे उसी दिन सूरत से शुरू किया गया है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि कोरोना ने लोगों के रोजगार में बहुत गिरावट आई है और लोग आर्थिक रूप से ध्वस्त हो गए हैं।काम न होने के कारण लोगों को काफी मशक्कत का सामना करना पड़ रहा है, जिससे लोग घर का खाना नहीं ले पा रहे हैं। ऐसे में धवल अकबरी नाम का एक युवक लोगों की मदद के लिए आगे आया है और खाने की किट दे रहा है।

50 लाख लघु एवं मध्यम उद्यम कर रहे हैं अमेजन पे का इस्तेमाल

सूरत।

भारत में लघु एवं मध्यतम उद्यमों (एसएमबी) को डिजिटल रूप से सक्षम बनाने के अमेजन की प्रतिबद्धता के एक हिस्से: के रूप में, अमेजन पे ने 50 लाख से अधिक किराना दुकानों और उद्यमों को अपने डिजिटल भुगतान इंफ्रास्ट्र क्चर के माध्य म से सशक्तए बनाने की घोषणा की है। सूरत में, लगभग 50,000 लघु एवं मध्यटम उद्यम अब अमेजन पे का इस्ते माल कर रहे हैं। ये लघु एवं मध्याम उद्यम, इनमें से अधिकांश पहले केवल नकद लेनदेन ही करते थे, अब अपने ग्राहकों से अमेजन पे के क्यू आर कोड का उपयोग कर भुगतान स्वींकार्य कर सकते हैं।

महेंद्र नेरूरकर, सीईओ, अमेजन पे इंडिया, जो सत्र का संचालन कर रहे थे, ने कहा, "लघु एवं मध्य5म उद्यम हमारे देश की अर्थव्यरवस्थो की रीढ हैं। 50 लाख से अधिक लघु एवं मध्यनम मालिकों और उद्यमियों को डिजिटल भुगतान स्वीककार्य करने के लिए सशक्त बनाने के जरिये, हम डिजिटल इंडिया में उनको शामिल करने में तेजी ला रहे हैं। अमेजन पे फॉर बिजनेस एप इसमें और तेजी लाएगा और व्योपारियों को मिनटों में डिजिटल पेमेंट्स ईकोसिस्टकम में प्रवेश करने में सक्षम बनाता है। हमने यूपीआई का इस्तेपमाल कर एसएमबी के लिए डिजिटल भुगतान स्वीरकार्यता को तैयार और विस्तप्रित किया है, जो दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल पेमेंट प्लेजटफॉर्म में से एक है और हम भारत के भुगतान करने के तरीकों में बदलाव करने के लिए और अधिक उत्पा द पेश करने के लिए तत्पुर हैं।"

इस उपलब्धि का खुलासा अमेजन के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट, रसेल ग्रांडिनेटी ने अमेजन संभव में 'इनोवेटिंग फॉर ए बेटर इंडिया' सत्र के दौरान नंदन नीलेकणी के साथ बातचीत में किया।

ये 50 लाख एसएमबी व्याापारियों और उद्यमियों का एक विविधपूर्ण समूह है। 25 लाख से अधिक रिटेल और शॉपिंग आउटलेट्स, जैसे किराना स्टोरर, का परिचालन करते हैं। लगभग 10 लाख फूड एंड बेवरेज आउटलेट्स जैसे रेस्टॉ रेंट्स और लघु भोजनालय का संचालन करते हैं। 5 लाख से अधिक सैलून जैसी सेवा उपलब्ध् कराते हैं। लगभग 4 लाख स्वालस्य् स एवं चिकित्साख देखभाल, जबकि शेष टैक्सीभ ड्राइवर्स, ऑटो ड्राइवर्स, प्लम्बर्स आदि हैं।

अमेजन पे ने एसएमबी के लिए डिजिटल भुगतान स्वीथकार्य करने को आसान बनाने के लिए "अमेजन पे फॉर बिजनेस' मोबाइल एप को भी लॉन्च् किया है। वर्तमान में एंड्रॉयड पर उपलब्धे, इस एप का उपयोग पूरे देश में उद्यमी अपने आप को रजिस्टइर और एक विशिष्टच क्यूतआर कोड जनरेट कर कुछ मिनटों में ही डिजिटल भुगतान स्वीमकार्य करना शुरू कर सकते हैं। उपभोक्ताि अमेजन क्यूआर कोड को स्कैनन करने के लिए किसी भी यूपीआई एप का उपयोग कर सकते हैं और इन उद्यमों को भुगतान कर सकते हैं।

कोरोना संक्रमित डॉक्टर को नहीं मिला वेंटिलेटर

अहमदाबाद।

बनासकांठा जिले के पालनपुर के डॉ. नरेश शाह के मरीजों को पता की जरूरत नहीं होती है। डॉ. नरेश की गली सिर्फ इस क्षेत्र के उनके मरीजों के लिए नहीं लेकिन पड़ोसी राज्य राजस्थान से आते मरीजो के लिए भी फेमस था।

१९६८ में जबकि उन्होंने प्रैक्टिस शुरू की तब से डॉ. शाह समय और परिस्थिति देखे बिना मरीजों का उपचार करते थे। वास्तव में दस दिन पहले वह नियमित १०० से १५० मरीजों का उपचार करते थे। इसी वजह से वह १८ अप्रैल को कोरोना वायरस की वजह से मौत हुई तब उनके परिजनों के अलावा आसपास रहते लोगों को भी झटका लगा था। उनकी उम्र ७९ वर्ष के थे। डॉ. शाह के बेटे का दुख तथ्य से अधिक गहन बन गया कि, लगातार खोज करने पर भी उनके पिता के उपचार के लिए वह BIPAP मशीन अथवा वेंटिलेटर ढूंढ नहीं सके। डॉ. शाह के परिवार ने अस्पतालों और सरकारी अधिकारियों से भी मदद की विनंती की। यदि किसी डॉक्टर को BIPAP मशीन या वेंटिलेटर नहीं मिले तो कल्पना करो कि सामान्य व्यक्ति की क्या स्थिति होगी यह डॉ. शाह के बेटे डॉ. दर्शन ने लिखा। उन्होंने यह बात पिता के मौत की जानकारी देती पोस्ट में लिखी थी। डॉ. दर्शन ने बातचीत करते हुए कहा कि, कोविड-१९ रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद उनके पिता की निजी अस्पताल में उपचार किया गया। लेकिन कुछ ही दिनों में उनको सांस लेने में तकलीफ हुई थी। जबकि हमने उनको भर्ती किया तब उनकी ऑक्सीजन की जरूरत प्रति घंटे २ लीटर थी जिसके बाद बढ़कर प्रति घंटे ५० लीटर हो गई थी। उनके ब्रींधिंग सपोर्ट के लिए हमने BIPAP मशीन या वेंटिलेटर की जरूरत थी, यह डॉ. दर्शन ने बताया।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)